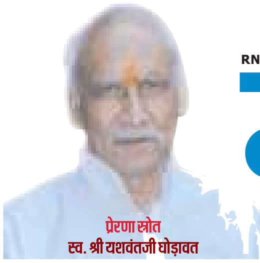
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 10 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 10 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

अपने जीवन में जोखिम लो। यदि आप जीतते है, तो आप नेतृत्व कर सकते है। यदि आप हारते है, तो आप मार्गदर्शन कर सकते है। स्वामी विवेकानंद

ये कैसी नायिकी

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

हिंदी फिल्मो में नायक का किरदार देश के युवाओं के लिए रोल मॉडल होता है और कई लोग फिल्मी नायक का अनुसरण करते है, ये ही नहीं दूरदर्शन पर 90 के दशक में दिखाई गई और अप्रैल में लॉकडाउन में पुनः प्रदर्शन हुई रामायण और महाभारत में राम और अर्जुन के किरदार निभाने वाले अरुण गोविल और फिरोज खान में आज भी लोग श्रीराम और अर्जुन की झलक देखते है और टीवी पर इनका चेहरा आते ही लोग श्रद्धा से सर झुका लेते है। कहने का तात्पर्य यहा है कि, आप किसी सार्वजनिक जिम्मेदारी को निभाते है तो आपका कार्य व्यव्हार और आचरण लोगों के लिए आदर्श होता है। वर्तमान में भी कई फिल्मी हीरो जो करते है वही देश के युवा करना चाहते है, इसलिए सिनेमा को समाज का दर्पण कहा गया है।

वर्तमान में डिजिटल युग चल रहा है और वाट्सअप, फेसबुक और ट्विटर जैसी कई सोशल साइट चल रही है जो पल भर में सूचनाओं को विस्तृत रूप से पहुंचा देती है। समाज में जनप्रतिनिधि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों और राजनितिक संगठनों के पदाधिकारी से भी यह अपेक्षा की जाती है कि, वे अपना कार्य व्यव्हार और आचरण पारदर्शी रखे। इन पदों पर बैठे व्यक्तियों से भी यह अपेक्षा भी की जाती है कि, न केवल सार्वजनिक जीवन बल्कि अपने निजी जीवन में आदर्श प्रस्तुत करें, लेकिन आज के प्रतिनिधि और संगठन में बैठे लोगों का व्यव्हार ठीक इसके विपरीत दिखाई देता है।

ताजा मामला केंद्र और राज्य में सत्ताधारी दल के झाबुआ के जिलाध्यक्ष नायक जिनके माता-पिता ने अपने पुत्र का नाम लक्ष्मण रखा लेकिन अपने नाम के विपरीत जाकर जिसने अपने फेसबुक अकाउंट से 'पूजा का प्यार' के नाम से एक वीडियो शेयर किया जो किसी भी दृष्टि से समाज के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है। जैसे ही वीडियो शेयर किया गया वैसे ही बवाल हो गया और मामले की नजाकत को देखते हुए उस वीडियो को अपनी फेसबुक साइड से थोड़ी देर बाद हटा लिया गया। लेकिन माही की गूंज के पास न केवल शेयर किए गए वीडियो का स्क्रीनशॉट है वरन पूरा वीडियो भी मौजूद है। अश्लीलता फैलाने वाला यह वीडियो सामाजिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है।

केंद्र और प्रदेश में सत्ता पर काबिज इस राजनितिक दल को भी चाहिए की वे इस मामले को देखते हुए इस पर तुरंत संज्ञान लें। ये ही नहीं उक्त जिलाध्यक्ष की पृष्ठभूमि राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ की बताई जाती है और संघ वह संघठन है जो न केवल सेवा कार्य बल्कि अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय भूमिका निभाता है तो, क्या संघ के संस्कार ऐसे है?

उक्त जिलाध्यक्ष का यह कृत्य न केवल संघ के संस्कारों को वरन राजनितिक सुशिक्षा को भी कलंकित करने वाला है।

वहीं बता दें कि, माही की गूंज ने हमारे पिछले अंक में 'नगर मंडल अध्यक्ष का दायित्व है वो काम करेगा, मैं बोलना शुरू करूँगा तो तुम नर्सिंगपुरा छोड़ दोगे- भाजपा जिलाद्यक्ष नायक' 'कार्यकर्ताओ की पार्टी कहने वाली भाजपा कार्यक्रताओं की कर रही उपेक्षा, जिले में भाजपा की गुटबाजी अब आ रही है सड़को पर' के शिर्षक के साथ प्रकाशित समाचार में उल्लेख किया था कि, 'चरित्रता की बात करने वाले भाजपा है चरित्रहीन'। जिसमें सार्वजनिक किया था कि, जिले के संगठन के शीर्ष नेता जिसके पास अपने काम के लिए एक अबला महिला अपने काम हेतु गई परंतु किस तरह से उस शीर्ष नेता ने अपनी बद नियत से अबला महिला से बात की का खुलासा किया था। जिसके बाद जिले से लेकर भोपाल तक भाजपा में खलबली मच गई और आगे माही की गूंज ऐसे चरित्रहीन नेताओं के समाचार प्रकाशित नहीं करने के उद्देश्य से भी भाजपाइयों ने पूरे प्रयास किए, लेकिन हमारी कलम पाठकों के विश्वास पर सदैव खरा उतरने के किए संकल्पित है और हम समाज हित के लिए हर विपरीत परिसत्यों में भी सदैव अपने कर्तव्य को हम पूरा करेंगे।

वहीं यह मामला अभी शांत हुआ नहीं था और नायक ने अपनी चरित्रता की ये आखिर कैसी नायिकी पेश की है ये समझ के परे है।

कृष्णा कंस्ट्रक्शन का निर्माण कार्य मिलीभगत के चलते सवालों के घेरे में

मामलाः खवासा से राजस्थान सीमा तक बने सीसी रोड एवं पुराने पूल को नया निर्माण बताने व पूल के क्षतिग्रस्त होने का

माही की गूंज, खवासा।

आमजन की जिंदगी भाले ही दाव पर लगती हो लग जाए पर हमें तो सिर्फ हमारे मुनाफे और रिश्वतखोरी से मतलब है। इस बात को सिद्ध कर रहा है खवासा से राजस्थान की सीमा भेरूपाड़ा तक जाने वाला सीसी रोड व उस पर बनी पुलियाएं। कृष्णा कंस्ट्रक्शन के द्वारा ढाई वर्ष पूर्व बनाए गए इस सीसी रोड व पुलियाओं में पीडब्ल्यूडी विभाग की मिलीभगत व अधिकारियों की रिश्वतखोरी का कारनामा निर्माण कार्य में दिखाई दे रहा है। जो आमजन व राहगिरों के लिए जान का खतरा बन गया है। खवासा-बाजना मुख्य मार्ग पर खवासा से परवाड़ा ग्राम पंचायत के ग्राम भेरुपाड़ा राजस्थान सीमा तक 2017 में निर्माण एजेंसी पीडब्लूडी विभाग से टेंडर लेकर कृष्णा कंस्ट्रक्शन ने सीसी मार्ग का कार्य किया था।

उक्त मार्ग निर्माण के समय ही हमने अपने अखबार में मुद्दे को उठाते हुए सड़क मार्ग से लेकर नाली निर्माण, पूल निर्माण व खवासा में रोग्यदेवी मंदिर के समीप मुख्य मार्ग के मध्य जानलेवा कूप व अनियमित्ताओं को लेकर निर्माण एजेंसी पीडब्लूडी विभाग के अधिकारियों तथा कृष्णा कंस्ट्रक्शनके द्वारा किए जा रहे निम्न स्तर के निर्माण कार्य व अनियमित्ताओं के बारे में समाचार प्रकाशित किए थे। ढाई वर्ष में ही हमारे लिखे समाचार की पुष्टि कृष्णा कंस्ट्रक्शन के निर्माण कार्य के दौरान बनाए पूल ने कर दी है। जो क्षतिग्रस्त होकर लोगों की जान का खतरा बना हुआ है।

बता दें कि अंग्रेजों के समय से उक्त मार्ग पर तीन पुल बने हुए है, एक खवासा-मकोडिया फंटे के समीप भूतिया खाल का पुल, दूसरा भामल का भूतिया खाल पुल व तीसरा परवाड़ा का मोवड़ी वाला पुल। यह तीनों पुल अंग्रेजों के समय से बने होकर उनकी मुद्दत पुरी हो चुकी थी। जिसे जमीदोज कर नए पूल का निर्माण करना था। इस बात को लेकर हमने ढाई वर्ष पूर्व ही अपने अखबार में लिख दिया था कि, अगर उक्त पुल का नव निर्माण नहीं होता है तो, यह पूल जानलेवा बन सकते है। लेकिन निर्माण एजेंसी पीडब्लूडी के अधिकारी व कृष्णा कंस्ट्रक्शन की मिलीभगत के साथ अपने मुनाफे व रिश्वत को महत्वता देकर लोगों की जान के साथ खेलने का प्रयास किया। उक्त तीनों पुलों के पिल्लरों को प्लास्टर से टिप-टॉप कर पुरानी स्लैब पर ही नई स्लैब डालकर अपने कार्य की इतिश्री कर ली। नतीजा आठ दिन पूर्व सामने आ गया कि परवाड़ा-मोवड़ी वाले पुल के एक पिलर के निचले हिस्से का एक कोना पूरा के पूरा क्षतिग्रस्त होकर टूट गया। जिसके बाद कृष्णा कंस्ट्रक्शन के साथ ही निर्माण एजेंसी पीडब्लूडी के वे जवाबदार अधिकारी भी हरकत में आ गए जिनकी देखरेख में यह निर्माण कार्य हुआ था। उक्त मामला सामने आने के बाद कृष्णा कंस्ट्रक्शन के मालिक, मुलाजिम व विभाग के छोटे से बड़े अधिकारियों के साथ एसडीएम थांदला ने पूल के क्षतिग्रस्त बेस का मुआयना किया। अब भी उसी क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरुस्त करने का कार्य करते है या नए पूल का निर्माण करते है यह देखने का विषय है।

डायवर्सन रोड में गरीब का पैसा खा गया कृष्णा कंस्ट्रक्शन...

निरंतर...

विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को लेकर गर्माने लगी सियासत

फ्लोर पर फिर टूटेगी परंपरा, मचेगा घमासान

प्रधानमंत्री के ट्वीट ने बनाया रिकार्ड

रजिस्टर्ड मतदाता कर सकेंगे एप के माध्यम से वोटिंग

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में 10 उम्मीदवार

दो उम्मीदवारों ने वापस लिया है नाम

क्या राजनीति में नहीं रुक सकेगी अपराधियों की इंट्री

सीएम बिप्लब का एलान

जनता से पूछूंगा सीएम पद पर रहूं या नहीं

शिवसेना का वार

भारत बंद रहा सफल, किसान नहीं बंगाल में जो बीजेपी कर रही वो 'अराजकता'

बंगाल में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की ललकार

चुनाव में टीएमसी का तिनका भी नहीं बचेगा

बंगाल से भाजपा को है बड़ी उम्मीद, ममता को टक्कर देने प्लान तैयार

ओवरटेक करने में चार पहियां वाहन पलटा

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। रंभापुर-मेघनगर सिंगल पट्टी रोड पर मंगलवार को एक मोटरसाइकिल को ओवरटेक करने के चक्कर में एक चार पहियां गाड़ी पलट गई। यह हादसा खच्चरटोड़ी में हुआ, मोटरसाइकिल सवार एक 12 वर्षीय लड़की को मामुली चोट लगी। गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा गाड़ी में सवार के साथ नहीं हुआ। कार चालक मौके से फरार हो गया।

सिंगल लेन से आए दिन होते है हादसे

रंभापुर-मेघनगर रोड सिंगल पट्टी का होने के कारण आए दिन इस मार्ग पर हादसे होते रहते है, काजलीडुगरी खदान से डम्पर भी माल लेकर इसी मार्ग से जाते है। पिछले साल डम्पर ने काकनवानी की एक महिला को रोंद दिया था, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस रोड को डबल पट्टी बनाने के लिए कुछ दिनों पहले लवसेना संगठन ने क्लेक्टर के नाम एक ज्ञापन भी दिया था।

शिवराज की घोषणा अधुरी

पुरे प्रदेशभर में शिवराजसिंह चौहान की जनआशिर्वाद रैली एक बस के जरिए वर्ष 2018 में निकली थी। यह जन आशिर्वाद रैली मेघनगर में भी निकली थी, सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इस रोड को डबल पट्टी बनाने की घोषणा की थी। वर्तमान में क्षेत्रीय सांसद गुमानसिंह डामोर ने मेघनगर से नागनवट रोड को डबल पट्टी बनवाने की घोषणा की है।

सीएम हेल्पलाइन ऑफिस में बैठकर तो, मौके पर वाहन में बैठकर जांच निपटा रहे सीईओ चौहान

कालीघाटी पंचायत में मौके पर नही मिला सीसी रोड निर्माण, कार्रवाई के बजाए रोड़ बनाने का दे दिया आश्वासन

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विकास खण्ड में मचे भ्रष्टाचार को ऐसे पंख लगे हुए है कि, क्या पंचयात क्या अधिकारी सब मिलकर केवल आमजन को मूर्ख बनाने का कार्य कर रहे है, लगातार सामने आ रहे भ्रष्टाचार के मामलो में हो रही शिकायत की जांच मामले में जिम्मेदारो के रवैये को देख कर उनकी कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे है। ग्राम पंचायत कुंभाखेड़ी और बाछीखेड़ा पंचायत सहित कई पंचायतो से की गई सीएम हेल्पलाइन की शिकायतो को जिला कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा सख्ती से निपटाने के निर्देश के बाद भी पेटलावद विकास खण्ड के जनपत पंचायत सीईओ एनएस चौहान जिला कलेक्टर को ''हतेली में हाथी दिखाने'' का काम कर रहे और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में शिकायतकर्ता को संतुष्ट किए बिना व उनकी जानकारी के बिना निराकरण बताकर खत्म कर रहे है। जब लिखित शिकायत का मामला आता है तो साहब के रवैये में थोड़ा परिवर्तन आता है और साहब शिकायत की जांच के लिए अपने चार पहिया वाहन में बैठकर जांच के नाम पिंदोल करने जाते है और बिना वाहन से उतरे जांचकर वापस आ जाते है।

मामला कालीघाटी पंचायत के गांव भक्तिया में सीसी रोड में हुए लाखों के भ्रष्टाचार का है, जांच करने पेटलावद सीईओ एनएस चौहान गत दिनों गांव भक्तिया पहुंचे, यहां सीईओ चौहान अपने वाहन से नीचे ही नही उतरे और गाड़ी में बैठकर ही खाना पूर्ति करके लौट आए। वर्ष 2017 में मंजूर हुए 3 लाख 48 हजार की लागत वाला सीसी रोड मौके पर बना ही नही ओर भ्रष्ट सरपंच-सचिव ने पूरी राशि का आहरण फर्जी बिल लगाकर कर लिया। इस खबर को हमारे द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था, जिसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी ने मौके पर जाना उचित नही समझा था, बाद में ऊपरी अधिकारियों के दबाव में जनपद सीईओ एनएस चौहान मोके पर पहुंचे जहां वास्तव में सीसी रोड धरातल से गायब मिला। मोके पर सरपंच-सचिव ने आसानी से सीईओ को गुमराह कर दिया और भक्तिया गांव का रोड कास्याखाली में बनना बता दिया। शिकायतकर्ता गांव के युवक लालू ने अपनी समस्या मोके पर सीईओ के सामने रखी किन्तु सीईओ ने शिकायतकर्ता की एक नही सुनी।

रोड़ बनाने का दिया आश्वासन

ग्राम पंचायत कालीघाटी में हुए भारी भ्रष्टाचार की शिकायत लिखित में करने के बाद जनपद सीईओ अपने 3 सदस्यीय दल के साथ जांच करने मौके पर पहुंचे, जहां सीसी रोड का नामो निशान नही मिला। यहां तक की इस रोड के अलावा अन्य शिकायत भी लालू ने सीईओ से मौखिक रूप से की किन्तु अन्य शिकायत की ओर ध्यान नही देते हुए सीईओ साहब भ्रष्ट सरपंच-सचिव को बचाकर लौट आए।

लालू ने बताया कि, जब सीईओ जांच के लिए आए तो उनके सामने ही गांव के सरपंच ने मुझे डराने की कोशिश की। वही पूरा मामला सीईओ के सामने स्पष्ट था की पूरे गांव में सीसी रोड कहीं नही बना, शिकायतकर्ता ने गांव की ओर भी समस्याओं से सीईओ को अवगत करवाया, लेकिन मात्र रोड़ की शिकायत होने का हवाला देकर केवल उसकी ही जांच करने का कह दिया, अगर सीईओ अपने वाहन से नीचे उतरकर देखते तो ऐसी कई समस्याएं सामने आती जिससे अधिकारी अभी तक अंजान है। इस सम्बंध ग्राम पंचायत सचिव शिकायतकर्ता की शिकायत को फर्जी बताकर अपने आपको बचाने की कोशिश कर रहे है। जनपद के अधिकारी अगर ईमानदारी से जांच करे तो एक बड़ा भ्रष्टाचार सबके सामने आ सकता है। इस प्रकार के अधिकांश मामलों में जनपद सीईओ कार्य के राशि हड़पने वालो पर कार्रवाई करने की बजाए एजेंसी से कार्य करवाने का आश्वासन देकर गुमराह कर मामले निपटा रहे है।

बन्द का आव्हान रहा बेअसर, पूर्ण रूप से खुला रहा नगर

माही की गूंज, पेटलावद।

कृषि कानून बिल के विरोध को किसानों द्वारा धरना, प्रदर्शन, आंदोलन किए जा रहे है तथा अपनी मांगे मनवाने के लिए किसानों द्वारा 8 दिसम्बर को देशव्यापी बन्द का आव्हान भी किया गया था। कांग्रेस सहित अन्य संगठनों ने किसानों के समर्थन में आगे आकर सहयोग की अपील की थी लेकिन पेटलावद नगर में बंद का असर नही दिखाई दिया, सुबह से ही व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान खोल दिये थे। हालांकि सोशल मीडिया पर किसान यूनियन द्वारा 1 दिन पूर्व अपनी स्वेच्छा से व्यापारियों से बन्द का आव्हान किया था, लेकिन मंगलवार को इसका कोई असर नही रहा। बन्द को लेकर स्थानीय पुलिस भी मुस्तेद नजर आई, सुबह से ही स्थानीय श्रद्धाजंलि चोक पर पुलिस मौजूद रही। एसडीएम शिशिर गेमावत, एसडीओपी सोनू डावर, थाना प्रभारी संजय रावत ओर तहसीलदार जितेंद्र अलावा सहित पुलिस व प्रशासन पूरी मुस्तैदी व तैयारी के साथ नगर के विभिन्न चौराहों पर नजर आए। नगर के अलावा आसपास के बड़े कस्बो सारंगी, रायपुरिया, झकनावदा, करवड़, बामनिया आदि में भी दुकानदारो द्वारा अपने नियमित प्रितिष्ठान खोल रखे थे। सब्जी, फल, दूध सहित अन्य फुटकर व्यापारियों व हाथ ठेला व्यपारियो सहित किराना, होटल, पान की दुकाने समय पर खुलती दिखाई दी। जिससे यह साफनजर आता है कि, पश्चिमी मालवा क्षेत्र सहित झाबुआ पेटलावद क्षेत्र में बन्द का आव्हान बेअसर रहा।

बनी रही असमंजस की स्थिति

किसान यूनियन द्वारा बन्द के आव्हान के बाद नगर में असमंजस की स्थिति बनी रही, सुबह के बाद एक के बाद एक धीरे-धीरे दुकाने खोलना प्रारम्भ कर दी। इसका मुख्य कारण यह भी रहा कि, किसान यूनियन के द्वारा किसी भी प्रकार से कोई अनाउंसमेंट आदि नही करवाया था, जिसके चलते बन्द को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही और पूरा बाजार पूर्ण रूप से खुला रहा।

व्यापारी किसानों के साथ

इस सम्बंध में अधिकांश व्यापारियों का यह मानना है कि, लॉकडाउन के दौरान व्यापार बन्द रहने से छोटे व्यापारियों का काफी नुकसान हुआ है। वही पेटलावद क्षेत्र में किसान यूनियन के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई आव्हान या अनाउंसमेंट आदि नही कराने से भी व्यापारियों में असमंजस की स्थिति बनी रही। हालांकि सभी छोटे-बड़े व्यापारियों का यह मानना है कि, सरकार को किसानों की जायज मांग पर विचार करना चाहिए, सभी व्यापारी किसानों के साथ खड़े है लेकिन पेटलावद जैसे क्षेत्र में जहा की किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष ओर महासचिव इसी क्षेत्र से आते है और किसानों के हर आंदोलन को पेटलावद से मजबूती मिली है, ऐसे में व्यापारी किसानो के साथ खड़े है लेकिन कुल मिलाकर मंगलवार को किसान यूनियन के द्वारा किया गया बन्द का आव्हान सोशल मीडिया तक ही सीमित होने के कारण जमीनी हकीकत में असफल साबित हुआ।

कृषि विधेयक के विरोध में जिला कांग्रेस ने सोंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

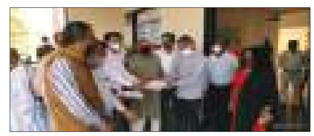

केंद्र सरकार द्वारा कृषि विधेयक बिल को देशभर में लागू करने के विरोध एवं किसान संगठनों के भारत बंद का समर्थन कर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश पटेल के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर प्रतिनिधि अपर कलेक्टर सरेशचन्द्र वर्मा को ज्ञापन सोपा। इस अवसर पर एसडीएम लक्ष्मी गामड़, तहसीलदार तिलवारे मौजूद थे।

केंद्र सरकार बिल वापस ले

सोंपे गए ज्ञापन में कांग्रेसी नेताओं ने बताया कि, केंद्र सरकार ने जो कृषि विधेयक बिल बनाया है उसे सरकार तीन काले क़ानूनो को वापस ले, जिससे किसानों को राहत मिल सके। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा कृषि विधेयक बिल जो लागू किया जा रहा है वह किसान विरोधी है, यह बिल किसानों के हित में नही है, इस काले कानून के लागू होने से देश के अन्नदाता किसानों परेशान हो जाएगा, जिससे उनको आर्थिक रूप से बहुत नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी है और नैतिक ओर पुर्ण रूप से हम उनके आंदोलन ओर भारत बंद का समर्थन करते है। इस अवसर पर कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, पूर्व जिलाध्यक्ष राधेश्याम माहेश्वरी, प्रकाश जैन, सुमेरसिंह अजनार, अनिल श्रीवास्तव, खुर्शीद दिवान, अनिल थेपड़िया, सुरेश परिहार, राजेश चौधरी, इरफान मंसूरी, राहुल राठौड़ आदि मौजूद थे।

डॉक्टर की लापरवाही व 108 न मिलने से फिर हुई एक प्रसूता की मौत

माही की गूंज, शाजापुर। जिले के एक और अस्पताल में अस्पताल प्रबंधन की लापरवही के चलते मोत का मामला शाजापुर जिले के मोहन बड़ोदिया के अस्पताल का सामने आया है। परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि, महिला की नॉर्मल डिलीवरी मोहन बड़ोदिया के अस्पताल में हुई थी लेकिन यहां पर ठीक से देख रेख नहीं होने कारण महिला की तबीयत बिगड़ गई जब उन्होंने डॉक्टरों को इस बात की सूचना दी तो ठीक से नर्सो ने उपचार नहीं किया और शाजापुर रेफर करने का बोल दिया। शाजापुर के लिए 108 का घंटो तक इंतजार किया लेकिन 108 नहीं आई तो, निजी वाहन से परिजनों को शाजापुर के लिए प्रसुता को लेकर निकलना पड़ा, लेकिन प्रसुता ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस मामले में परिजनों ने कार्रवाई की मांग की है।

मास्क के नहीं पहनने पर शुरू की दंडात्मक कार्रवाई, लगाया जुर्माना

माही की गूंज, मेघनगर।

प्रदेश में बढ़ते कोरोना केस एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने हेतु मेघनगर नगर परिषद ने नगर में हर चौराहे पर भ्रमण कर मास्क नहीं पहनने पर आम नागरिक को समझाइश दी कि, मास्क का उपयोग करें एवं नगर परिषद द्वारा कई दिनों से सूचना दी जा रही थी एवं अलाउंस भी करवाया जा रहा था कि, मास्क पहने एवं सुरक्षित रहे। इसी को देखते हुए नगर में नगर परिषद द्वारा आजाद चौक, भंडारी चौराहा, झाबुआ चौराहा, साई चौराहा एवं रमवापुर रोड पर नगर परिषद द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की गई एवं आमजन को समझाया गया की माक्स पहने माक्स नहीं पहनने पर नगर परिषद मेघनगर द्वारा चालानी कार्रवाई एवं जुर्माने के रूप में वसूला गया।

नशीले इंजेक्शन की जुगत में डॉक्टर से की गाली-गलौज

माही की गूंज, थांदला।

थांदला में दिन ब दिन नशाखोरो का आतंक बढ़ता ही जा रहा है बुधवार सुबह कुमारवाड़ा अंबेडकर भवन के सामने क्लीनिक चला रहा है डॉक्टर वाहिद खान को नशाखोर कालू पिता यू, अजर जहीर उद्दीन कुरेशी उर्फ गलिया अपने साथियों के साथ डॉक्टर को एविल इंजेक्शन के लिए पर्ची लिखवाने के लिए दबाव डाला ताकि उसे मेडिकल से एविल इंजेक्शन मिल सके। डॉक्टर खान ने पर्ची लिखने से मना कर दिया तो कालू, अजर और उनके साथीयों ने डॉक्टर के साथ गाली-गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी, इसी गाली-गलौज व धमकी के साथ डॉक्टर की गाड़ी भी तोड़-फोड़ कर दी। उक्त घटना की जानकारी डॉक्टर वाहिद खान ने एसडिओपी गवली को थाने में लिखित आवेदन दिया जिस पर पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि, आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़कर उन पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

लगातार कमजोर होती कांग्रेस की नाव से उतर कर भाजपा में शामिल हो रहे है कांग्रेस कार्यकर्ता

सारंगी ब्लॉक उपाध्यक्ष और पेटलावद ब्लॉक के आईटी सेल अध्यक्ष ने थामा भाजपा का हाथ

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद पूरे प्रदेश में मानों कांग्रेस छोड़ने की होड़ सी मची हुई है। हालांकि सिंधिया के जाने के बाद जिले में कांग्रेस के बहुत कम नेताओं ने पाला बदला, लेकिन धीरे-धीरे अब इसका असर जिले में दिखना शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस के जहाज से कार्यकर्ताओं के कूदने का दौर शुरू हो गया है। सारंगी ब्लॉक उपाध्यक्ष बीरज पोरवाल और पेटलावद कांग्रेस आईटी सेल के ब्लॉक अध्यक्ष गौरव राठौड़ सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। लगातार कांग्रेस पार्टी से युवाओं को मोह भंग हो रहा है और जिले में कांग्रेस को लगातार झटखा लगता जा रहा है। पार्टी में उपेक्षा का शिकार हो रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एक-एक कर पार्टी से दूरी बनाकर विरोधी दल का दामन थाम रहे है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने बीरज पोरवाल और गौरव राठौर को भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई। इस मौके पर बिरज पोरवाल ने कहा कि, कांग्रेस के विगत 15 माह के शासनकाल में मेरे क्षेत्र का कोई विकास नहीं हुआ। मेरे क्षेत्र की जनता मुझसे नाराज दिखाई देने लगी। क्योंकि मेरे क्षेत्र में विकास नहीं हो रहा था इसलिए मैंने कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

विधायक वालसिंह मैड़ा और कांग्रेस संगठन लगातार निष्क्रिय, कार्यकर्ता नाराज

100 साल पुरानी पार्टी से कार्यकर्ताओं का मोह भंग हो रहा है, कांग्रेस संगठन को इस पर मंथन करना होगा। आखिर क्यों कार्यकर्ता पार्टी छोड़ कर भाजपा में जा रहे है। पेटलावद विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक वालसिंह मेड़ा, 15 महीने की सरकार गिरने के बाद से आम जनता और कार्यकर्ताओं से दूरी बनाए हुए है। वहीं कांग्रेस का ब्लॉक स्तरीय संगठन भी किसी प्रकार से सक्रिय नहीं होने और ब्लाक स्तर के कांग्रेस संगठन में कोई बैठक और कार्यकर्ताओं की पूछ परख नहीं होने से कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ता भी एक-एक कर बहार हो रहे है।

कुछ नेताओं के इर्द-गिर्द ही घूम रही कांग्रेस की राजनीति

पेटलावद विधानसभा की कांग्रेस राजनीति को देखा जाए तो यहां की राजनीति कुछ लोगों के इर्द-गिर्द घूम रही है, बाकी कार्यकर्ताओं की कोई पूछ परख नहीं होती। कांग्रेस का लगातार घटता जनाधार आने वाले जिला जनपद, जनपद और पंचयात स्तर पर होने वाले चुनाव में बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। कांग्रेस आईटी सेल को छोड़ बाकी कांग्रेस नेता फिलहाल पार्टी से दूरी बनाए हुए है। कांग्रेस आईटी सेल के विधानसभा प्रभारी विक्रम चावड़ा ने सोशल मीडिया पर पार्टी छोड़ने वालों पर जमकर भड़ास निकाली। विक्रम चावड़ा का कहना है कि, जो लोग कांग्रेस में रहकर पहले से भाजपा की मदद कर रहे थे वो लोग अब सामने आ रहे है लेकिन कांग्रेस को कोई फर्क नही पड़ता आने वाले स्थानीय चुनावों में कांग्रेस जबरजस्त प्रर्दशन कर भाजपा को धूल चटाकर वापसी करेगी।

भाजपा के स्थानीय नेताओं की अनदेखी के चलते कार्यकर्ता छोड़ रहे सदस्यता

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत अख्त्यारपुर के ग्राम नान्याखेडी के गोपाल सैनी जो की पूर्वजों के समय से ही भाजपाई थे। विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में ग्रामीण क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाई और भाजपा को अपने क्षेत्र से 95 प्रतिशत वोट दिलवाए। किन्तु समय के साथ अपने श्रेत्र के विकास कार्यों को लेकर उन्हें निराशा ही मिली। जिन कार्यकर्ताओं की लिस्ट किसी समय नेता जी की टेबल पर होती थी, आज बदलाव के चलते उन लोगों की पहचान खो चुकी हैं। लगातार विकास कार्यों की मांग करने के बाद भी अनसुनी के चलते क्षेत्र में कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता जा रहा है, इसी के चलते कार्यकर्ता भाजपा छोड़कर तीसरे मोर्चे आमआदमी पार्टी में शामिल हो रहें है। गोपाल सैनी द्वारा इसी कड़ी में अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आमआदमी पार्टी में सदस्यता ग्रहण की है। बता दें कि, गोपाल सैनी एक बहुत बड़े तबके माली समाज से और वर्तमान समय में युवा माली सभा संगठन के जिला शाजापुर मीडिया प्रभारी है।

नल-जल योजना का सांसदने किया भूमि पूजन

माही की गूंज, मेघनगर। सांसद गुमानसिंह डामोर द्वारा जिले के मेघनगर विकास खण्ड के विभिन्न गावों में नल-जल प्रदाय योजना की पाईप लाईन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया। इन कार्यो पर 3 करोड 70 लाख 24 हजार रूपए की लागत आएगी। इस योजना के तहत ग्राम गडुली मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम गड़ुली में 41 लाख रूपए, किशनपुरा में 46 लाख 94 हजार, घोसलीया बड़ा में 23 लाख 85 हजार, खच्चर टोड़ी में 35 लाख 6 हजार रूपए के राशि के कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसी प्रकार काजली डुंगरी में 29 लाख 39 हजार रूप्ए, झाडकी रोड़ी में 10 लाख 42 हजार रूपए, ग्राम बैडावली में 68 लाख 31 हजार रूपए अगराल में 49.58 लाख रूपये की लागत के कार्य का भूमिपूजन किया गया।

संपादकीय

कोरोना के टीके पर सरकार का अपने बयानों से बार-बार पलटना

यह बात किसी अधिकारी या सामान्य मंत्री ने नहीं, बल्कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही थी। उन्होंने राष्ट्र से वादा किया था कि जैसे ही कोरोना वायरस की वैक्सीन तैयार होगी, उसे सभी भारतीयों को लगाया जाएगा। कई महीने पहले उन्होंने कहा था कि सभी भारतीयों को उसे लगाया जाएगा, इसकी तैयारी की जा रही है। लेकिन अब सरकार ने कह दिया है कि संभव है सबको टीका ना दिया जाए। पिछले दिनों केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि सरकार ने कभी भी यह नहीं कहा था कि देश में सभी लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। ये अजीब मसला है। अगर प्रधानमंत्री का कहना सरकार का कहना नहीं है, तो फिर किसकी बात पर लोग भरोसा करेंगे? भूषण ने सरकार की इस राय का खुलासा किया कि अगर एक आवश्यक संख्या में लोगों को टीका दे दिया जाए, तो वायरस के प्रसार की चेन टूट जाएगी। आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने भी कहा है कि एक बार प्रसार की चेन टूट गई, तो फिर सबको टीका देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिन्हें संक्रमण हो चुका है और जो ठीक हो चुके हैं, सरकार के अनुसार ऐसे लोगों को टीका देने की जरूरत पर अभी पूरी दुनिया में चर्चा चल रही है। बहरहाल, मुख्य सवाल है कि क्या इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार है? क्या सबको टीका दिए बिना महामारी से छुटकारा मिलेगा? और यह कैसे तय होगा कि किसे टीका दिया जाएगा और किसे नहीं? जो जानकारियां सामने हैं उनके मुताबिक कोविड को हरा चुके सभी लोगों की भी अवस्था एक जैसी नहीं होती। कुछ लोगों के शरीर में एंटीबॉडी विकसित होती हैं और कुछ लोगों में नहीं भी होती हैं। एंटीबॉडी शरीर में विकसित हो जाने के बाद भी उनसे व्यक्ति को कोविड-19 से स्थायी सुरक्षा मिल जाती हो, इसका भी प्रमाण अभी तक नहीं मिला है। एंटीबॉडी कितने दिनों तक शरीर में रहती हैं, इस पर भी विवाद है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि एंटीबॉडी संक्रमण से ठीक हो चुके लोगों के शरीर में सिर्फ कुछ ही हफ्तों तक रही। इतनी सारी जानकारी के अभाव में टीका सिर्फ सीमित संख्या में लोगों को लगाने का निर्णय पर अचरज और आक्रोश के अलावा और क्या हो सकता है? यहां ये भी गौरतलब है कि विकसित देश अपने सभी नागरिकों को वैक्सीन लगवाने का एलान कर चुके हैं। तो भारत सरकार इस जिम्मेदारी से पीछे क्यों हट रही है?

चाणक्य नीति

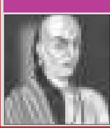

वेश्या को निर्धन व्यक्ति को त्याग देना चाहिए, प्रजा को पराजित राजा को त्याग देना चाहिए, पक्षियों को फलरहित वृक्ष त्याग देना चाहिए एवं अतिथियों को भोजन करने के पश्चात् मेजबान के घर से निकल देना चाहिए।

दाता बनाम अन्नदाता के बीच कब तक भ्रम

दाता बनाम् अन्नदाता के बीच कब तक भ्रम! (लेखक-ऋतुपर्ण दवे

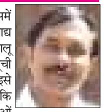

ऋतुपर्ण दवे

क्या किसान आन्दोलन ने पूरे देश में एक नई अलख जगा दी है? क्या किसानों की माँगे वाकई में न्यायोचित नहीं है? यदि ये कानून किसानों के हित में है, तो क्यों कोई भी बड़ा किसान संगठन इसके पक्ष में क्यों नहीं है? क्या किसानों की तैयारी से केन्द्र सरकार बेखबर थी और उससे भी बड़ा यह कि क्या जिन तीन कृषि कानूनों का अब पुरजोर विरोध हो रहा है, उनको बनाते समय केन्द्र सरकार ने जिनके लिए बनाया जा रहा है, उनकी राय लेना भी क्यों नहीं जरूरी समझा? अब वजह कुछ भी हो लेकिन किसानों की एकता ने देश में इस आन्दोलन को एक नया मंच और नई चेतना जरूर दे दी है। स्थिति कुल मिलाकर कुछ यूँ होती जा रही है कि पाँच दौर की वार्ता विफल होने के बाद आगे क्या होगा किसी को पता नहीं है। न ही किसान और न ही सरकार झुकने को तैयार है। हाँ अगर कुछ दिख रहा है तो वह यह कि किसानों के हौसले बुलन्द है और तैयारी पुरजोर और इतनी कि उनके द्वारा दी गई चेतावनी भी सच सी लगने लगीं। जिस तरह सड़कों पर ट्रैक्टर ट्रॉलियों और बड़े-बड़े वाहनों को अस्थाई आश्रय केन्द्रों में तब्दील कर पूरी तरह से व्यवस्थित ढ़ंग से रोज के भोजन, पानी का इंतजाम हो रहा है, उसने कम से कम भरे कोविड काल में किसानों की एकता पर मुहर लगा दी है। सड़कों को आशियाना में तब्दील कर चुके किसानों की घोषणा पर भी अब आश्चर्य नहीं होता कि 6 महीने के राशन-पानी के इंतजाम के साथ आए हैं। एकता का परिणाम देश ने स्वतंत्रता के पहले और बाद में भी कई मौकों पर देखा है। शायद किसानों के गुस्से या एकजुटता को नजर अंदाज करना ही सरकार के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन गया है। आगे क्या होगा कोई नहीं जानता। आन्दोलन उग्र होगा या बात बनेगी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

अन्नदाताओं के आन्दोलन को 11 दिन हो चुके हैं। शनिवार को पाँचवें दौर की वार्ता विफल होने के बाद दोनों ही पक्षों का अपनी-अपनी रणनीतियों को लेकर मंथन हो रहा होगा। निश्चित रूप से सरकारी इण्टेलीजेंस अब काफी सतर्कता से किसानों की गतिविधियों पर निगरानी तो रख ही रहा होगा, लेकिन इससे क्या निकलेगा यह पता नहीं। किसानों के आन्दोलन की सफलता का बड़ा राज यह भी है कि राजनैतिक दलों के लोगों के जुड़ने के बाद भी इसमें किसी का ठप्पा नहीं लगा है। अवार्ड लौटाने का सिलसिला और इसमें नामचीन लोगों के आगे रहने और पूरी खुद्दारी के साथ किसानों के जुड़ने से आन्दोलन वृहद होता जा रहा है। वहीं पंजाब से भरपूर और कई अन्य राज्यों जिस तरह से समर्थन मिल रहा है वह हर रोज आन्दोलन को एक नई गति दे रहा है। सरकार के इस आग्रह को कि सर्दी का मौसम है, कोविड का संकट है, इसलिए बुजुर्ग, बच्चों, महिलाओं को नियन के नेता घर भेज दें। लेकिन बुजुर्ग और महिलाएँ किसी भी कीमत पर झुकने को तैयार नहीं है। कुल मिलाकर मामला पेचीदा होता जा रहा है।

हाँ एक बात जरूर दिख रही है कि आन्दोलन को लेकर कुछ जिम्मेदार व कुछ स्वयं भू लोगों के बयानों ने एक नई हवा देने की कोशिश जरूर की थी। लेकिन उससे भी बड़ी सुकून की बात यह है कि इसे न तो आन्दोलनकारियों ने दूसरों कोई तवज्जों नहीं दी, वरना रास्ता भटक सकता था। एक ओर जहाँ एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया यानी ईजीआई किसानों के प्रदर्शन के समाचार कवरेज को लेकर चिंतित है कि मीडिया का कुछ हिस्सा बगैर किसी साक्ष्य के प्रदर्शनकारी किसानों को 'खालिस्तानी' और 'राष्ट्र-विरोधी' बताआंदोलन को ही अवैध करार दे रहा है। एडीटर्स गिल्ड इसे जिम्मेदार, नैतिकतापूर्ण और भरोसेमन्द पत्रकारिता के सिद्धांतों के खिलाफ मानते हुए किसान आंदोलन का निष्पक्ष और संतुलित कवरेज करने की सलाह दी है। इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएएके खिलाफ उस समय प्रदर्शन का खास चेहरा बनी शाहीन बाग की दादी बिल्किस बानो पर फर्जी ट्वीट से अभिनेत्री कंगना रनौत फिर सुर्खियों में हैं। बूढ़ी महिला को पंजाब के जीरकपुर के वकील ने बिलकिस दादी बताने के ट्वीट पर माफी मांगने की मांग की है। दरअसल मोहिंदर कौर को बिलकिस बानो के रूप में गलत बताते हुए किए गए एक ट्वीट के लिए कानूनी नोटिस कंगना को भेजा है। कंगना ने ट्वीट को रीट्वीट कर, किसान प्रोटेस्ट में शामिल बुजुर्ग किसान महिला को न केवल शाहीन बाग की बिलकिस बानो बताया था बल्कि यह भी लिखा था कि दिहाड़ी के हिसाब से दादी से काम करवाया जाता है ट्वीट जमकर ट्रोल होने लगा और लोगों के निशाने पर आने के बाद कंगना नेडिलीट कर दिया।

किसानों की मांग है कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपीको कानूनी अधिकार बनाए जिससे कोई भी ट्रेडर या खरीददार किसानों से उनके उत्पाद को कम दाम पर न खरीद पाए। फिर भी कोई ऐसा करता है तो उस पर कार्रवाई हो। एमएसपी और मंडियों की स्थापित व्यवस्था को खत्म होने का फायदा केवल खरीददारों को होगा जो बड़े लोग भी हो सकते हैं। इससे किसान इन्हीं के रहमों करम पर बंधुआ सरीखे मजबूर हो जाएंगे। जबकि सरकार की सफाई है कि कानून किसानों को एक खुला बाजार देता है जहाँ वे अपनी मनमर्जी के कृषि उत्पाद बेच सकें। हालांकि सरकार का कहना है कि एमएसपी खत्म नहीं की जा रही है और मंडियां भी पहले की तरह काम करती रहेंगी। लेकिन किसान इस पर आशंकित हैं। किसानों का दूसरा विरोध कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के जरिए अनुबंध से खेती को बढ़ावा देने के लिए बने राष्ट्रीय फ्रेमवर्क पर है। इसमें किसान और खरीददार के बीच समझौता होगा और किसान ट्रेडर या खरीददार को एक पूर्व निर्धारित कीमत उपज बेचेगा। जिसमें कृषि उत्पाद की गुणवत्ता, ग्रेड और स्टैंडर्ड भी पहले ही तय होगा। इसमें नियमों के तहत फसलों की बुआई से पहले कम्पनियां, किसानों का अनाज एक संविदा के तहत, तय मूल्य पर खरीदने का वादा करेंगी। क्या उपजाना है यह भी उस उसी में तय होगा। साथ ही उपज बाजार की जरूरत और मांग के हिसाब से होगी। मतलब कम्पनियों के आगे किसान मजबूर होगा क्योंकि किसान की फसल तैयार होगी तो कम्पनियाँ कुछ समय इंतजार करने को कह बाद में उत्पाद को खराब बता, अमान्य बता नया मोलभाव भी कर सकती है। तीसरा कानून है आवश्यक वस्तु संशोधन अधिनियम यानी ईसीए। इसमें अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल यहाँ तक कि प्याज और आलू को भी आवश्यक वस्तु की सूची से हटा दिया गया है। किसान इसे दोधारी तलवार मान रहे हैं क्योंकि निजी खरीददारों द्वारा इन वस्तुओं के भंडारण या जमा करने पर सरकार का नियंत्रण नहीं होगा। इसमें बड़े पैमाने पर थोक खरीद या जमाखोरी के कारण जरूरी जिंसों के दाम बढ़ेंगे जिसके दो प्रतिकूल प्रभाव भी संभव है। पहला ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर बढ़ेगी नतीजन गरीबी बढ़ेगी और दूसरा सरकारी राशन दुकानों के लिए खरीद की लागत बढ़ेगी। आलू-प्याज के आसमान छूते दाम सामने हैं. अब किसान ही सस्ता बेचकर इन्हें मंहगे दामों पर खरीदने को मजबूर हैं। यानी गरीब एवं मध्यम वर्ग को नुकसान होने की संभावना है।

किसानों की आशंकाएं वाजिब हैं। भले ही यह कानून कागजों में प्रगतिशील लगें लेकिन बहुत दूर की सोच के साथ किए गए दिखते हैं। निश्चित रूप से इनसे जैसा कि किसानों का आरोप है और आन्दोलन की वजह हैकि उन्हें जमाखोरों, व्यापारियों, कॉरपोरेटर्स, मल्टीनेशनल कंपनियों के रहमोकरम पर छोड़ा जा रहा है जो आखिर अन्नदाता विरोधी ही साबित होंगे। हमारे सामने अमेरिका व यूरोप की फ्री मार्केटिंग व्यवस्था यानी मुक्त बाजार आधारित नीति का उदाहरण है। 1970 में वहाँ किसानों को रिटेल कीमत का 40: मिलता थाअब फ्री मार्केट के बाद किसानों को रिटेल कीमत की मात्र 15: ही मिलता है। वहाँ फायदा कम्पनियों व सुपर मार्केट श्रंखला वालों को हुआ। बावजूद इसके किसानों को जिंदा रखने के लिए हर वर्ष करीब सात लाख करोड़ रुपए की सरकारी मदद दी जाती है। लेकिन इससे कितना वास्तविक नुकसान हुआ और किसान पराधीन हुए यह भी समझ आता है। ऐसे में भारत में किसानों की आशंकाएँ बेवजह नहीं लगती और यह भी इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना और दिन-प्रतिदिन समर्थन बढ़ना कहीं न कहीं यह पुख्ता संकेत है कि कुछ तो है जो कानून में किसान विरोधी है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत जय जवान-जय किसान का समर्थनक था है और रहेगा। ऐसे में दाता बनाम अन्नदाता की जंग, सुलह में बदलनी चाहिए ताकि एक नई क्रान्ति की अलख जगे और हो हरित क्रान्ति।

सरकार पर अदालत भारी?

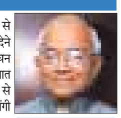

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के सिर पर एक चपत लगा दी है। उसने नए संसद भवन के निर्माण पर फिलहाल रोक लगा दी है। 10 दिसंबर को उसके लिए आयोजित भूमि-पूजन को उसने नहीं रोका है लेकिन नए संसद के निर्माण के लिए कई भवनों को गिराने, पेड़ों को हटाने और सारे क्षेत्रीय नक्शे को बदलने पर रोक लगा दी है। 10 दिसंबर को इस महत्वाकांक्षी योजना को अमल में लाने के लिए प्रधानमंत्री भूमि-पूजन कर रहे हैं। इस पूरे निर्माण-कार्य पर लगभग 20 हजार करोड़ रु. खर्च होंगे और इसे अगले दो साल में पूरा करने का विचार है। नए संसद भवन के दोनों सदनों में लगभग 1500 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी। अभी इस क्षेत्र में 39 मंत्रालय सिर्फ 17 भवनों में चल रहे हैं।

नए निर्माण-कार्य में ऐसे दस विशाल भवन बनाए जाएंगे, जिनमें 51 मंत्रालय एक साथ चल सकेंगे। अभी सरकार को किराए के कुछ भवन लेने पड़ते हैं। उन पर एक हजार करोड़ रु. सालाना खर्च होता है। अंग्रेज के बनाए ये सभी भवन अब 100 बरस पुराने पड़ गए हैं। नए भव्य भवनों को बनाने का संकल्प मोदी सरकार ने अभी जरुरतों को ध्यान में रखते हुए लिया है लेकिन इस संकल्प के खिलाफ लगभग 1200 आपत्तियां उठाई गई हैं। सर्वोच्च न्यायालय सहित कई अदालतों में विभिन्न लोगों ने याचिकाएं दायर की हैं। उनमें कई आरोप है, जैसे पेड़ गिराने की अनुमति पर्यावरण-नियमों के विरुद्ध दी गई है और जमीन के इस्तेमाल की इजाजत गलत तरीके से ली गई है। सरकार ने यह इजाजत देने में अपने ही कई नियमों का उल्लंघन किया है। सर्वोच्च न्यायालय इस बात पर नाराज हुआ कि उसने सरकार से इन सब आपत्तियों पर सफाई मांगी लेकिन वह दिए बिना उसने 10 दिसंबर को भूमि-पूजन की घोषणा कर दी।

इस भूमि-पूजन पर भी हमारे कई सेक्युलरिस्ट नेताओं ने आपत्ति की है। उनका कहना है कि क्या यह हिंदू मंदिर है ? यह भारत-भवन है। इसमें सभी धर्मों से शुभारंभ होना चाहिए। अदालत के वर्तमान रवैए से यह शंका पैदा होती है कि शायद इसकी अनुमति न मिले। अभी तो उसका तेवर यही है लेकिन सामान्य-बोध कहता है कि सरकार के इस संकल्प पर अदालत का फैसला आखिरकार भारी नहीं पड़ेगा।

काम की बात

जो करना है आज ही कर लो, कल तो खुद भी कल के इंतेजार में है।

एक सलाह

आज बुरा है तो क्या हुआ कभी अच्छा भी होगा। वक्त ही तो है बदल जाएगा।

आदिवासी अंचल के बच्चे बार-बार क्यों हो रहे हैं मौत का शिकार

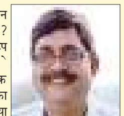

भूपेन्द्र गुप्ता

निरे आदिवासी अंचल के बच्चे ही क्यों बार-बार अकाल मौत का शिकार होते हैं? 10 माह में दूसरी बार शहडोल संभाग में नवजात और मासूम बच्चों की सामूहिक मौतों ने समूचे देश का ध्यान एक बार फिर खींचा है। इस बार पहले 6 और बाद में 2 और ऐसे अबोधों की आँखें बन्द हो गईं, जिन्होंने दुनिया को देखना तो दूर पूरी तरह से खुद की आँखें भी नहीं खोली थी। इन मौतों को साधारण कतई नहीं कहा जा सकता, लेकिन असाधरण भी हैं तो वजह को लेकर प्रशासनिक दाँव-पेंच ने इसे भूल भुलैया बनाने की नाकाम कोशिशें की हैं। कुल मिलाकर सरकारी विभाग में समन्वय की कमीं, लंबा-चौड़ा प्रशासनिक अमला होने के बाद भी अलग-अलग जिलों, अलग जनपदों और पंचायतों जहाँ पर सीमित संख्या में नवजात शिशुओं की देखरेख के लिए तमाम व्यवस्थाओं का ढ़िंढ़ोरा पिटता है के बाद भी, यह सब होना अपने आप में बड़ा सवाल है। बीमार बच्चों को समय पर इलाज मिले यह देखना प्रारंभिक रूप से गाँव के आँगनबाड़ी और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की जवाबदेही है। इन मौतों को महज किसी एक खास बीमारी के नाम पर बस्ताबन्द कर देने से यह भविष्य में थम जाएंगी ऐसा भी नहीं लगता। सबसे बड़ी बात यह है कि संभाग के तीनों जिलों में एकाएक और उसी दौरान मासूम नवजातों की साँसों का थम जाना किसी को भी सहजता से स्वीकार नहीं हो रहा है।

इन मौतों के बाद प्रदेश के मुखिया की नींद टूटी जरूर और जाँच के आदेश भी हुए लेकिन कार्यवाही के नाम पर वही ढाक के तीन पात। हकीकत यह है कि शहडोल एक साल में दूसरी बार ऐसी घटना हुई है। इसी बरस 14-15 जनवरी को हुई 6 मौतों पर काफी हो हल्ला मचा था। तब भी यही सीएम एच ओ था जिसे हटा दिया गया था। लेकिन सत्ता की बागडोर बदलते ही वे फिर से शहडोल में काबिज हो गए और फिर से मासूम मौतों का तांडव हो गया। हैरानी की बात है कि यहाँ कुल 4 वेन्टीलेटर हैं उसमें भी 1 खराब 3 अपनी पूरी क्षमता से रात-दिन उपयोग में लाए जा रहे हैं । ईश्वर न करे कि इनमें भी कोई खराबी आए वर्ना वेन्टीलेटर के नाम फिर कुछ भी बड़ा अप्रिय हो सकता है। सरकार कहने को तो चेत गई है। लेकिन इस बार इतनी बड़ी संख्या में शहडोल में हुई मौतों के बाद न कोई नेता आया, न ही कोई मंत्री। जबकि इसी बरस 14-15 जनवरी को कमलनाथ की सरकार सत्ता में थी और तत्काल तबके स्वाथ्य मंत्री तुलसी सिलावट दूसरे कबीना मंत्री कमलेश्वर पटेल सहित एक और मंत्री को शहडोल भेजा गया था। अभी हफ्ता बीत रहा है किसी ने शहडोल का रुख तक नहीं किया। सरकार की संवेदनशीलता आदिवासी क्षेत्रों के लिये कितनी है यह अपने आप में ही बड़ा सवाल है।

राजनैतिक हल्कों में इन मौतों को लेकर जहाँ तेज सरगर्मी है वहीं प्रशासनिक अक्षमता पर भी सवाल उठ रहे हैं ।साल की शुरुआत में जब 6 नवजात शिशुओं की अचानक मौत हुई थी ,तब भी मौत की वजह न्यूमोनिया ही बताई गई थी। लेकिन एक साल में दूसरी बार महज दस महीने के अंतर में हुई दोबारा 8 मौतों की वजह भी न्यूमोनिया बताई जा रही है।

क्या यह जांचा नहीं जाना चाहिये कि निरे आदिवासी संभाग शहडोल में ही वह भी ठेठ गंवई इलाके में बार-बार न्यूमोनिया क्यों होता है? उसमें भी अलग-अलग गाँवों में जिनका आपस में न जुड़ाव है न करीबी है तब बच्चों को एक साथ क्यों और कैसे हो रहा है? अब वजह कुछ भी हो और मुख्यमंत्री ने भले ही भोपाल में इसको लेकर बड़ी बैठक कर ली हो लेकिन मैदानी हकीकत और परिणाम कुछ और ही है। शहडोल में कुपोषण को लेकर भी काफी हो हल्ला मच चुका है। मौजूदा समय में ही करीब 16 हजार बच्चे कुपोषित हैं। कहने को तो आंगनबाड़ी केन्द्रों में पर्याप्त पोषण सामग्री और आर्थिक पैकेज मौजूद हैं लेकिन उसके बाद भी 16114 बच्चे कुपोषण की जद में है। इनमें भी 14 हजार 308 बच्चे कुपोषित और 1806 बच्चे अति कुपोषण की श्रेणी में है। यह आंकड़ा कोई खयाली नहीं खुद महिला बाल विकास विभाग का है। इसके अनुसार सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे बुढ़ार में है जिनकी संख्या 3409 है जबकि गंभीरों की संख्या 360 है। ब्यौहारी में कुपोषित 2490 व गंभीर कुपोषित 249, जयसिंहनगर में 3103 और गंभीर 451 हैं, पाली वन में 1750 कुपोषित और गंभीर कुपोषित 173 हैं, शहडोल नवीन में कुपोषित 547 और गंभीर कुपोषित 47, सोहागपुर में 3009 कुपोषित और गंभीर कुपोषित 519 हैं। इसी तरह अनूपपुर जिले में भी 5676 कुपोषित बच्चे हैं. जिनमें अनूपुपर में कुपोषित 1372 गंभीर 177, जैतहरी में 1217 गंभीर 91, कोतमा में 906, गंभीर 87, पुष्पराजगढ़ मे कुपोषित 2181 गंभीर 261 हैं वहीं उमरिया जिले में 3500 से ज्यादा कुपोषित बच्चे हैं। जिनमें 3198 कुपोषित एवं 505 बच्चे गंभीर यानी अतिकुपोषित हैं।

इन आँकड़ों को देखने के बाद लगता है कि कहीं न कहीं न्यूमोनिया, कुपोषण का आपस में कोई न कोई कनेक्शन तो है जो छुपाया जा रहा है। इसके अलावा एक और बड़ा सच है जिसकी चर्चा तक नहीं हो रही है वह है कोविड का। संभाग में कोविड की स्थिति जगजाहिर है। संभाग में अब तक 5802 कोविड मरीज मिल चुके हैं। जबकि 58 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इसमें भी प्रभावितों और मृतकों में ठेठ ग्रामीण इलाके के लोग शामिल हैं। क्या इन बच्चों के संक्रमण का संबंध कोविड से तो नहीं? मान भी लिया जाए कि सभी 8 बच्चों की मौत गंभीर अवस्था में होने तथा अस्पताल पहुँचने में देरी से हुई तो अस्पताल प्रबंधन ने वहाँ इलाज क्या किया। मृत या बीमार बच्चों का कोविड टेस्ट क्यों नहीं कराया गया? इस बात से प्रबंधन ने क्यों कोई इत्तेफाक नहीं रखा? जबकि शहडोल, उमरिया और अनूपपुर में कोविड के आंकड़े न केवल चिन्ताजनक हैं बल्कि लगभग हर रोज निकल रहे हैं। ऐसे में अब यह कौन गारण्टी देगा कि सारे मृतक बच्चे कोविड निगेटिव थे। क्या उनके परिजनों का भी कोविड टेस्ट कराया गया?

ठण्ड की दस्तक के साथ ही कोविड बढ़ेगा यह सभी जानते थे अतः बच्चों की मौतों की वजह तो तलाशनी होगी। मौतों की असल वजह तक जाना होगा। हालांकि संभाग में कुपोषण की स्थिति के बाद न्यूमोनिया से बच्चों की हुई मौतों की संख्या आनुपातिक दृष्टि से भले कम है ऐसे में उन्हें केवल माँ के दूध व बाहरी पौष्टिक चीजों के सहारे की जरूरत होती है। अब यह भी देखना होगा कि कुपोषित बच्चों को पालने वाली माताओं की क्या स्थिति है? इसे कौन देखेगा? निश्चित रूप से प्रशासनिक मशीनरी का समन्वय या तो इन जिलों में बिल्कुल नहीं है या विभाग एक दूसरे पर पल्ला झाड़ रहे हैं। कुपोषण और न्यूमोनिया के बीच जिला प्रशासन के तीन विभागों की सबसे ज्यादा जिम्मेदारी है। जिसमें कलेक्टर, जिला पंचायत और आदिवासी विकास विभाग प्रमुख हैं।

यदि विभागीय समन्वय होता तो अस्पताल प्रबंधन का अमानवीय चेहरा नहीं दिखता। परिजनों को बच्चों की मृत देह ले जाने के लिए एम्बुलेन्स तत्काल मिलती। एम्बुलेन्स के एवज में जिला चिकित्सालय प्रमुख की झिड़की न मिलती। उधार से रुपए इकट्ठा कर किराए के वाहन का जुगाड़ न करना पड़ता। जाहिर है कि खुद प्रशासनिक हल्कों में तालमेल नहीं है। यह बात इससे भी समझ आती है कि भरे कोविड काल में कुछ माह पहले जिला आदिवासी विकास विभाग के मुखिया की कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की मौजूदगी में बिना मास्क के एक स्कूल के निरीक्षण कृ उद्दण्ड सी तस्वीरों ने सबका ध्यान खींचा था ।ऐसे में बच्चों की मौत और प्रशासनिक अक्षमता पर सवाल उठने लाजिमी हैं।

एमएसपी बना फांस

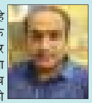

सिद्धार्थ शंकर

तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए चल रहे किसान आंदोलन ने भारत बंद भी करा लिया। बावजूद इसके समाधान के आसार नहीं दिख रहे हैं। 9 दिसंबर को एक बार फिर सरकार से वार्ता का दौर तय है, यह मुकाम पर पहुंचेगा या नहीं, कहना कठिन है। दरअसल, आंदोलन में मुख्य पेंच न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी को लेकर बना हुआ है। एमएसपी के सवाल पर आंदोलनकारी किसान संगठन ही नहीं बल्कि संघ के अनुशांगिक संगठन भी सरकार के खिलाफ हैं। हालांकि इस मांग से जुड़ी जटिलताओं के कारण सरकार पूरी तरह असमंजस में है। अगर एमएसपी की कानूनी गारंटी की घोषणा कर दी जाए तो तीनों कानूनों को वापस लेने की मांग संबंधी स्वर धीमे हो सकते हैं क्योंकि सरकार पहले से ही इन कानूनों के कई प्रावधानों में संशोधन के लिए तैयार है। मसलन सरकार किसानों को सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाने, एनएसआर क्षेत्र से जुड़े नए प्रदूषण कानून में बदलाव करने, निजी खरीददारों के लिए पंजीयन अनिवार्य करने और छोटे किसानों की हितों की रक्षा के प्रावधानों में जरूरी बदलाव के लिए तैयार है। पांचवें दौर की बैठक के बेनतीजा रहने के बाद सरकार में आंदोलन खत्म कराने के लिए माथापच्ची जारी है। मुख्य चिंता एमएसपी को लेकर है। कृषि मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के बीच शनिवार रात से ही कई दौर की बातचीत हुई है। इस पर अंतिम निर्णय से पहले सरकार किसान संगठनों की ओर से बुलाए गए भारत बंद के जरिए उनका दमखम भी देख चुकी है। आजादी के बाद से ही सरकारें किसान और ग्राहकों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने में नाकाम रही हैं। इसके कारण ग्राहकों को तो ज्यादा कीमत चुकानी पड़ी, मगर ग्राहक के द्वारा चुकाई गई रकम का मामूली हिस्सा ही किसानों की जेब तक पहुंचा। मसलन ग्राहकों ने कई बार किसान द्वारा बेची गई रकम से चार से पांच गुना अधिक कीमत चुकाई। कृषि क्षेत्र का मुनाफा बिचौलियों की भेंट चढ़ता रहा। आजादी के सात दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सरकारें किसानों का आय बढ़ाने में नाकाम रही। सरकार का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने की है। एमएसपी को सरकार कानूनी तो बना देगी, मगर निजी क्षेत्र को खरीदारी के लिए बाध्य नहीं कर पाएगी। ऐसे में अगर फसल की मांग कम हुई तो निजी क्षेत्र खरीददारी करेंगे ही नहीं। सरकार एक सीमा तक ही एमएसपी के तहत खरीदारी कर सकती है। सरकार औसतन कुल उपज का छह फीसदी की ही खरीद करती है। वर्तमान क्षमता के अनुरूप इसे दस फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। भंडारण क्षमता, अर्थव्यवस्था पर बोझ सहित कई ऐसे कारण है जिसके चलते सरकार बहुत अधिक मात्रा में अनाज नहीं खरीद सकती। किसी एक फसल की अधिक उपज होने के बाद उसकी मांग में कमी आएगी। सरकार एक सीमा से अधिक फसल नहीं खरीदेगी। इसके बाद एमएसपी से कम कीमत पर खरीद गैरकानूनी होने पर निजी क्षेत्र खरीदारी प्रक्रिया से नहीं जुड़ेंगे। ऐसे में किसान उन फसलों का क्या करेगा? बड़ा सवाल कीमत तय करने का भी है। एमएसपी के दायरे में आने वाली फसलों की अलग-अलग गुणवत्ता होती है। गुणवत्ता के हिसाब से एक फसल का अलग-अलग मानक तय करते हुए अलग-अलग एमएसपी तय करनी होगी। मानकों पर खरा नहीं उतरने वाली फसलों का क्या होगा? सरकार का कहना है कि तीनों कानूनों के जरिए उसकी कोशिश कृषि क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कराने की थी। निजी क्षेत्र अपनी सूझबूझ से ऐसी फसलों की खेती कराएंगे, जिनकी भविष्य में मांग ज्यादा होने की संभावना रहेगी। मगर एमएसपी को कानूनी बनाने से नए कानूनों का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। सरकार प्रतिस्पर्धा के लिए निजी क्षेत्र पर शर्तें नहीं थोपना चाहती। सरकार के सूत्रों का कहना है कि वैसे भी कृषि क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए आकर्षण की प्राथमिकता वाला क्षेत्र नहीं है। शर्तें थोपने से निजी क्षेत्र कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित नहीं होगा। एमएसपी का प्रावधान एक तरह से किसानों को सुरक्षा देने के लिए किया गया था। मसलन मांग और आपूर्ति में ज्यादा अंतर होने से किसानों को होने वाले घाटे से बचाने के लिए एमएसपी प्रक्रिया अपनाई गई थी। दूसरी ओर निजी क्षेत्र का कारोबार मांग और आपूर्ति के आधार पर चलता है। इसमें जिस फसलों की मांग ज्यादा होगी उसकी कीमत एमएसपी से ज्यादा होगी।

रामभरोसे का कोविड वैक्सीनेशन

विवेक रंजन श्रीवास्तव, लेखक

मियां अल्लारखखा, रामभरोसे जी का उर्दू संस्करण हैं। दोनों ही गरीबी की रेखा से नीचे वाले राशन कार्ड , बीपीएल कार्ड , आयुष्मान कार्ड जैसे बेशकीमती दस्तावेजों के महत्वपूर्ण धारक हैं। वे सब्सिडी वाली बिजली, उज्वला गैस, अंत्योदय योजना, बैंको के रोजगार लोन के सुपात्र हैं। उनके लोन की गारंटी सरकारें लेती हैं।वे मुफ्त शौचालय निर्माण, बिना ब्याज के गृह ऋण, डायरेक्ट फंड ट्रांस्फर वगैरह-वगैरह जैसी एक नहीं अनेकों जन हितैषी योजनाओ के लाभार्थी हैं। तमाम सरकारी कोशिशों के बाद भी वे गरीबी रेखा पार नही कर पाते। दीन हीन रामभरोसे में राम बसते हैं। जनगणना में अल्लारखखाओं और रामभरोसों के आंकड़े सब के लिए बड़े मायने के होते हैं। उनके आंकड़े सरकारों की सारी योजनाओं का मूल आधार बनते हैं। अल्लारखखा और रामभरोसे की बस्तियां नेता जी की वोट की खदाने हैं। वे राजनैतिक दलो के घोषणा पत्रों के चुनिंदा विषय हैं।

लालकिले की प्राचीर से होने वाले भाषण हों या रेडियो पर दिल की बातें उनमें इनमें से किसी की चर्चा हो तो भाषण हिट हो जाते हैं। इनके मन को टटोलने में जो सफल हो जाता है वह जननेता बन जाता है। इनकी गिनती में थोड़ी बहुत हेरा फेरी कर्मचारियों की ऊपरी कमाई का स्त्रोत है। धर्म के कथित ठेकेदारों के लिये रामभरोसों और अल्लारख्काओ की आस्थायें बड़ा महत्व रखती हैं, ये और बात है कि इस सब से बेफिक्र उनकी पहली आस्था भूख के प्रति है। दोनो ही दिन भर की थकान मिटाने के लिये शाम को एक ही ठेके पर मिलते हैं , और जब कभी जेबें थोड़ी बहुत भरी होती हैं तो वे एक ही बाजार में देह की खुशी तलाशने निकल जाते हैं।

फटे, मैलेकुचैले कपड़ों में उनके बच्चों की मुस्कराती हुई तस्वीरें अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने की क्षमतायें रखती हैं। जब कभी अल्लारखखा और रामभरोसे की बस्ती से कोई बच्चा अपने बस्ते और बुद्धि के कमाल से किसी प्रतियोगिता में कोई सफलता पा लेता है, तो खबरों में धमाल मच जाता है। रामभरोसे या अल्लारखखा की जान बड़ी कीमती है। उन्होने देखा है कि जीते जी न सही किसी दुर्घटना में उनकी मौत तुरंत लाख रुपयों की सरकारी सहायता और परिवार में किसी के लिए सरकारी नौकरी का वादा लेकर आती है।

किसी भी राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता रामभरोसों और अल्लारखखाओ के वैक्सीनेशन हुये बिना संभव नहीं है। यह तथ्य डाक्टर्स से लेकर राजनेता तक खूब समझते हैं। ये और बात है कि स्वयं की प्रतिरोधक क्षमताओं पर इन बस्तियों को इतना भरोसा है कि उन्हें पकड़ -पकड़ कर टीके लगाने होते हैं। उनकी इस आत्मनिर्भरता की भावना से मुकाबले के लिये ही स्वास्थ्य कर्मियों का बड़ा अमला घर घर जाकर उनके मना करने पर भी उन्हें मना मना कर उनका वैक्सिनेशन करता है।

दुनियां को फिर से पटरी पर लाने के लिये कोरोना की वैक्सीन जरूरी है। नेता जी ने चुनावी वादों में सबको मुफ्त कोविड वैक्सीनेशन का वादा किया हुआ है। तरह तरह की वैक्सीन बन रही हैं।किसी के दो डोज लगने हैं तो किसी के तीन। कोई माइनस 70 डिग्री में रखी जानी है तो कोई फ्रिज टेम्प्रेचर पर। माइनस 70 डिग्री स्टोरेज तापमान वाले उपकरण बनाने वाली कम्पनियां दुनियां भर से अपने उपकरणो के लिये आर्डर लेने की जुगत भिड़ाने में लगी हैं। उनकी मार्केटिंग टीमें ईमेल करने और देश-देश के संबंधित मंत्रालयों से हर तरह के संपर्क में सक्रिय हैं। नकली चीनी वैक्सीन निर्माता इंतजार में हैं कि कब कोई वैक्सीन बाजार में आये और वे उंचे दामो पर अपना माल खपा दें। वैक्सीन , कोरोना की आपदा में अवसर बनकर आ रही है। किसी के लिये कमाई और रोजगार के तो किसी के लिये पुरस्कार के मौके कोविड वैक्सिनेशन में अंतर्निहित हैं।

इस सबसे बेखबर रामभरोसे और अल्लारखखा अपनी खुद की इम्युनिटी के बल पर गमछा लपेटे कोविड आत्मनिर्भर दिखते हैं। संभ्रांत बुद्धिजीवी दानवीर लोग व संस्थायें इन्हें ही मास्क बांटतें हैं और अपने संवेदनशील होने की तस्वीरें खिंचवा पाते हैं। वे स्वयं को सेल्फवैक्सीनेटेड मानते हैं। कोरोना के प्रति रामभरोसे और अल्लारखखा के दृष्टिकोण बड़े परिपक्व हैं, वे इसे अमीरों की बीमारी बताने में नहीं हिचकिचाते। वे बिना मास्क मजे में बाजारों में घूमते मिल सकते हैं। उन्हें चुनावो की रैलियों, धार्मिक जुलूसों, किसान आंदोलनो की भीड़ से डर नहीं लगता। कभी कभार नाक, मुंह पर गमछे का कोना या साड़ी का पल्ला लपेटकर वे मास्क का शौक पूरा कर लेते हैं। जब कभी सरकारी चालान का डर हो तो यही गमछा उनका अस्त्र बन जाता है। जिसको वैक्सीनेशन के दस्तावेजों में उनका नाम चढ़ाना हो अभी से चढ़ा ले। रामभरोसे हों या अल्लारखखा वे वैक्सीन के भरोसे नहीं। आत्मनिर्भरता ही उनकी ताकत है। उनका कोविड वैक्शीनेसन हो न हो उनकी बला से। वैक्सीनेशन की जल्दबाजी आप करें, रामभरोसे और अल्लारखखा को पता है उन्हें तो मना मना कर, टीवी पर विज्ञापन दे देकर वैक्सीन लगायेगी सरकार।

भोजन सामग्री की बर्बादी का कारण भी बन रहा है कोरोना

भोजन सामग्री की बर्बादी को लेकर आई रेबो बैंक की हालिया रिपोर्ट बेहद चिंतनीय और खबरदार करने वाली है। एक ओर दुनिया के देशों में कुपोषण और भुखमरी की गंभीर स्थिति है तो दूसरी ओर कोरोना के कारण भोजन सामग्री के संग्रहण के चलते भोजन सामग्री की बर्बादी की तस्वीर सामने आ रही है। रिपोर्ट में कोरोना के कारण दुनिया के देशों में भोजन सामग्री की बर्बादी की ओर इशारा किया गया है। हालांकि इसमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोपीय देशों में भोजन सामग्री के अत्यधिक संग्रहण और बाद में उनके खराब हो जाने के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। इसे कोरोना के साइड इफेक्ट के रूप में देखा जा सकता है। क्योंकि कोरोना ने केवल संक्रमण और मौत के आंकड़े ही नहीं बढ़ाए अपितु दुनिया को पूरी तरह हिलाकर रख दिया।

कोरोना के कारण लंबे समय तक आर्थिक गतिविधियां ठप रही तो दूसरी ओर अन्य गतिविधियां प्रभावित हुई। लोगों के रोजगार छिने है और तनख्वाह में भारी कटौती में कसर नहीं छोड़ी गई। बेरोजगारी बढ़ी तो सरकारी गोदामों में भरे खाद्यान्नों को आमजन को उपलब्ध कराने की पहल की गई है। कोरोना के कारण दहशत का माहौल बना और डिप्रेशन के मामले बढ़ रहे हैं। पूरा एक साल होने को आया पर कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। अब तो कोरोना की दूसरी लहर का दौर शुरू होने से लोगों में दहशत फैल रही है।

इसमें दो राय नहीं कि कोरोना के कारण दुनिया के देशों में लॉकडाउन की स्थितियां आई और ऐसे में लोगों को घरों पर रहने को विवश होना पड़ा। जब सबकुछ थम गया तो लोगों के सामने खाने-पीने का सामान घर पर रखने की आवश्यकता हुई। लॉकडाउन को देखते हुए यह सब जरूरी भी था। लोगों ने आवश्यकता से अधिक भोजन सामग्री खरीद कर संग्रहित की और वह तेजी से खराब होने लगी। अकेले ऑस्ट्रेलिया की ही बात की जाए तो वहां 10.3 बिलियन पाउंड की खाद्य सामग्री खराब हो गई। रेबोबैंक की रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका भोजन की बर्बादी के मामले में सबसे आगे रहे। हालांकि इसके लिए लोगों को दोष इस मायने में नहीं दिया जा सकता कि जिस तरह का लॉकडाउन और कोरोना के कारण स्थितियां बन रही थीं, लोगों के सामने घरों में कैद रहना ही एकमात्र विकल्प था। ऐसे में राशन सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता जरूरी हो गया। कोरोना की भयावहता और लॉकडाउन की अनिश्चितता के चलते लोगों ने अधिक सामग्री खरीदी।

भोजन सामग्री की बर्बादी का एक बड़ा कारण नई-नई रेसिपी या नित नए प्रयोग भी रहा है। यदि आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो लॉकडाउन के दौरान हमारे यहां भी लोगों ने जरूरत से अधिक खाद्य सामग्री खरीदी। लोगों में भय था कि पता नहीं खाद्य सामग्री मिलेगी भी नहीं या खाद्य सामग्री की किल्लत से दो चार होना पड़े। हालांकि यूरोपीय देशों, ऑस्ट्रेलिया व अमेरिका में कोरोना की दूसरी लहर की दहशत में लोगों ने अधिक सामग्री खरीदी और उसमें से बड़ी मात्रा में सामग्री खराब हो गई। कोरोना के कारण भोजन सामग्री की बर्बादी के लिए सीधे-सीधे किसी को दोष नहीं दिया जा सकता लेकिन भुखमरी व कुपोषण के चलते इतनी अधिक सामग्री का खराब होना चिंता का सबब अवश्य बनता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जिस तरह लोगों को कोरोना के प्रति अवेयर किया जा रहा है और लोग अवेयर हो रहे हैं, उसी तरह लोगों को भोजन सामग्री को लेकर असुरक्षा की भावना को खत्म करने के लिए सरकारों और गैरसरकारी संगठनों को आगे आना होगा। लोगों में यह विश्वास पैदा करना होगा कि विषम से विषम स्थिति में भी लोगों के लिए भोजन सामग्री की उपलब्धता में कोई कमी नहीं आएगी। परिस्थितियों को देखते हुए सरकार स्वयं आगे आकर लोगों के घरों तक भोजन सामग्री पहुंचाएगी। ऐसा किया भी गया है। देश के कई प्रदेशों में लॉकडाउन के दौरान न केवल जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन सामग्री पंहुचाई गई अपितु उनकी उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। केवल भय और असुरक्षा के कारण लोग भोजन सामग्री का संग्रहण कर रहे हैं, जिसे लोगों में विश्वास पैदा कर दूर किया जा सकता है।

घर का जोगी जोगड़ बाहर का जोगी सिद्ध ?

एक कहावत की घर का जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध, आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। आज घर के आदमी की कदर नहीं है बाहर के लोगों को तरजीह दी जाती है। अपना आदमी भले ही कितना अच्छा हो मगर उसकी कोई कदर नहीं है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थों के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है। अपने ही खून से गददारी की जाती है। अपना खून अपना ही होता है। अनपों को ठुकराया जाता है। कुत्तों को खीर खिलाई जाती है। अपने भूखे मर रहे है। आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है। अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती हैं। वक्त एक ऐसा तराजू है जिसके एक पलड़े में जिन्दगी और दूसरे पलड़े में मौत होती है।मानव को हमेशा मानवता के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए। मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गारंटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गारंटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाए। जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है। कब,कहां सांसे थम जाएं यह कोई नहीं जानता। फिर मानव किस बात का अंहकार करता है। मौत से आज तक कोई नहीं बच पाया है। मौत अटल सत्य है। प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है। मानव रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है। मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए। मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता। कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है। मगर आज एक दूसरे को गिराने का घिनौना काम किया जाता है। अगर एक होकर किसी का अच्छा किया जाए तो उससे बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। आधुनिक समाज का मानव आज दानवों से भी घिनौने कर्म कर रहा है। ऐसे कर्म करती बार वह न तो दुनिया से डरता है और न ही भगवान से डरता है मगर कहतें हैं जब अल्लाह की लाठी पड़ती है तो उसमें आवाज नहीं होती। मानव को उसके बुरे कर्मों की सजा जरुर मिलती है। भगवान के घर देर जरुर है मगर अन्धेर नहीं है। ईश्वर की चक्की जब चलती है तो वह पाप और पापी को पिस के रख देती है। यह एक शाश्वत सत्य है मानव आज दानवों की श्रेणी में आता जा रहा है। मंदिरों में कुकृत्य कर रहा है ऐसे कर्मों से वसुंधरा कांप रही है। मानवता आज मर चुकी है चारों तरफ अन्धेर मचा हुआ है। एक दूसरे को नीचा दिखा रहे है। चंद कागज के टुकड़ों व सोने के सिक्कों के कारण आज मानव इतना अभिमान करता है कि दूसरे आदमी का अनादर करने में गर्व महसूस करता है। मगर पैसा तो एक वेश्या के पास भी होता है। वक्त का पहियां जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव झूठ-फरेब करके अमीरी का लबादा पहन रहा है मगर झूठ के पांव नहीं होते। कभी न कभी झूठ लड़खडा सकता है मगर जो सच्चाई के पथ पर चलता है उसका बाल तक बांका नहीं होता तभी तो कहते है कि सांच को आंच नहीं आती। राजा को रंक बनने में एक पल भी नहीं लगता। आज ईमानदार लोगों की कद्र नहीं है जबकि बेईमानों को पूजा जा रहा है मगर यह सर्वमान्य है कि हमेशा ईमानदारी की जीत हुई है बेईमानी औंधे मुंह गिरी है। बेइमानी की सदा हार हुई है। मानव आज मानव से नफरत कर रहा है। दूसरों का बुरा कर रहा है उनके जीवन में अन्धकार कर रहा है पर अगर खुदा को रोशनी हो मंजूर तो आंधियों में भी चिराग जलते हैं। आज हालात ऐसे हैं कि लोग अपने निजि स्वार्थों के लिए दूसरों को नुक्सान पहुंचाने से भी नहीं चुकते जब अल्लाह की आंधी जुल्मों के खिलाफ चलती है तो पापियों का सर्वनाश होता है। चिथड़े उड़ जातें है उस फितरती मानव के जो नराधम बन कर लोगों का दमन करता है। मानव को हमेशा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह जरुर मिलेगा। देर जरुर है मगर सच ही पुरस्कृत होता है। आज कुछेक लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है

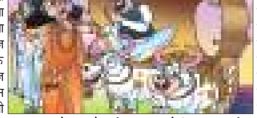

जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिश के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त जरुर धूल चटाता है जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता। तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किया जा रहा है जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है। जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी।आज लोगों के पास समय नहीं है इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिये समय नहीं है। हर समय पैसा ही पैसा कमाने मे व्यस्त रहता है। अनैतिक तरीकों से धन कमा रहा है मगर मानव को यह पता है कि दुनिया में नंगा आया था नंगा ही जाएगा तो यह धन-दौलत का लालच क्यों कर रहा है। गलत काम करके पैसा अर्जित करके आलिशान महल बना रहा है मगर पल की खबर नहीं है।

लेखक, नरेन्द्र भारती

मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए। आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे

मानव को कीड़े-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम रने वाले के आगे कारों की चमक फीकी पड़ जाती है। यह लोग कार, कोठी और पैसे को ही जीवन का ध्येय मान बैठे हैं। महगें कपड़े पहन कर कोई आदमी बड़ा नहीं है बल्कि उसके गुणों के कारण ही पहचान होती है। कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए। समाज में ऐसे लोग घातक होते है। आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए। कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए। वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए। आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोागों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का सहायता करनी चाहिए।

लव जिहाद के खिलाफ अध्यादेश कितना कारगर ?

लव जिहाद कथित रूप से गैर मुस्लिम समुदायों से जुड़ी महिलाओं को इस्लाम में धर्म परिवर्तन कराने के लिए किया जाने वाला प्रेम का झूठा नाटक है?। देशभर में अनेकों ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें अपनी पहचान छुपाकर हिंदू लड़कियों को फंसाया जाता है और उनपर जबरन इस्लाम धर्म कबूल कर शादी करने का दबाव बनाया जाता है। यदि लड़की इससे इनकार करती है तो उसकी हत्या तक कर दी जाती है।

रंजना मिश्रा

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश 2020' पास कर दिया है। इस अध्यादेश का उद्देश्य है कि जबरन दबाव डालकर, लालच देकर या किसी तरह के छलकपट से होने वाले धर्म परिवर्तनों को रोका जा सके। इसके साथ ही इस अध्यादेश के माध्यम से दूसरे धर्म में शादी करके किए जाने वाले धर्म परिवर्तन को भी रोका जा सकेगा। इस अध्यादेश के मुताबिक यदि केवल शादी के लिए लड़की का धर्म बदला जाएगा तो न केवल ऐसी शादी अमान्य घोषित हो जाएगी बल्कि धर्म परिवर्तन कराने वालों को 10 साल तक जेल की सजा भी भुगतनी पड़ सकती है।

यह निश्चित है कि ऐसा अध्यादेश इस प्रकार के होने वाले अपराधों पर बहुत हद तक अंकुश लगाएगा, पर बहुत से लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि पहले से ही अनेकों कानून हैं, इसके बावजूद अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं तो नया कानून बनाने से क्या फर्क पड़ जाएगा। सच तो यह है कि कानून बनाना आसान है किंतु इसका पालन बहुत कठिन है। अपराधी व्यक्ति द्वारा पीड़ित महिला और उसके परिवार को तरह-तरह से डराया-धमकाया जाता है और उन्हें जान से मार देने की धमकी तक दी जाती है। ऐसी स्थिति में पीड़ित महिला और उसके परिवार द्वारा कानून की मदद ले पाना बहुत कठिन हो जाता है। परिवार शिकायत करने से भी डरता है। जिससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ जाता है। कई बार इन अपराधियों के संबंध कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं से भी होते हैं जिसके कारण पीड़िता की शिकायत भी दर्ज नहीं की जाती, ऐसे में यह कानून समाज में फैल रहे इस कोढ़ को किस हद तक समाप्त कर पाएगा, यह आने वाला समय बताएगा।

कानून के साथ-साथ हमें समाज को भी जागरूक बनाना होगा। जिससे कोई बेटी ऐसे फरेबियों के जाल में फंस कर अपनी और अपने परिवार की जिंदगियों को बर्बाद न करे। आजकल प्रेम के नाम पर महिलाओं और बेटियों को बहुत सजग रहने की आवश्यकता है। हालांकि कई पार्टियों और बुद्धिजीवी कहे जाने वाले लव जिहाद पर ही सवाल उठा रहे हैं और इस शब्द को झूठा साबित कर रहे हैं। किंतु देश में इस प्रकार की बढ़ती हुई घटनाओं को झुठलाया नहीं जा सकता, भले ही आप इन्हें किसी भी नाम से पुकारें। इन कुकृत्यों पर रोक लगाने के लिए कोई न कोई कदम उठाना बहुत आवश्यक है। पर केवल कानून बनाने भर से इसका निराकरण हो पाएगा ऐसा कह पाना बहुत कठिन है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

न्यूज ब्रीफ

नीति आयोग के सीईओ ने की बड़वानी प्रशासन के प्रयासों की प्रशंसा

माही की गूंज, बड़वानी। भारत के आकांक्षी जिलों में सम्मिलित बड़वानी जिले में नीति आयोग के द्वारा निर्धारित मापदंडों को प्राप्त करने के लिए, जिला प्रशासन द्वारा किए गए और किए जा रहे प्रयासों एवं समीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने पर नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत ने प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भेज कर सराहा है और इसके लिए बड़वानी कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा सहित अन्य अधिकारियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बताया कि, यदि बड़वानी जिले से इस हेतु कोई अतिरिक्त प्रोजेक्ट बनाकर भेजा जाएगा तो उसके लिए 5 करोड रुपए तक की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की जा सकेगी।

जिले से भेजा गया 5 करोड़ का प्रस्ताव

नीति आयोग के इस परिपत्र के आधार पर बड़वानी जिले से 5 करोड़ के प्रस्ताव बनाकर शासन स्तर पर भेजे गए हैं । इसमें 2.6 करोड़ के प्रस्ताव स्वास्थ सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु तथा 2.4 करोड़ के प्रस्ताव पोषण के सूचकांकों में सुधार हेतु आवश्यक संसाधनों की आवश्यकता हेतु भेजा गया है।

पंचायत सचिव व रोजगार सहायक सोमवार व गुरूवार को पंचायत में ही रहेंगे

माही की गूंज, खरगोन। प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास सचिन सिन्हा ने आदेश जारी किए है कि, ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायक अपने अपने ग्राम पंचायत मुख्यालय पर हर सप्ताह के सोमवार व गुरूवार को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे तथा वहां के ग्रामीणों की उनसे संबंधित समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इन आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

17 जनवरी को पिलाई जाएगी बच्चों को पल्स पोलियो की दवा

माही की गूंज, खरगोन। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 17 जनवरी को शून्य से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को बुथ पर पोलियो रोधी खुराक पिलाई जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. संजय भट्ट ने बताया कि 17 जनवरी को जो बच्चों बुथ पर पोलियों रोधी खुराक देने से छूट गए है। ऐसे बच्चों को 18 व 19 जनवरी को कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर पोलियो दवा पिलाएंगे।

जमीन का मालिक बनते ही जवान सिंह अपने आपको महसूस करने लगे और जवान

माही की गूंज, बड़वानी। विकासखंड सेंधवा के ग्राम टीघाली के निवासी श्री जवान सिंह कनोजे के हाथों में जैसे ही कलेक्टर ने वन अधिकार पत्र सौंपा, वैसे ही श्री कनोजे का आत्मविश्वास बढ़ कर दूना हो गया। वे युवाओं के समान चहकते हुए कहने लगे कि, जमीन से बेदखल की तलवार हटते ही वे अपने आप को इतना समर्थ पाने लगे हैं कि अब वे अपनी इस भूमि पर अपनी पत्नी ललिता एवं बेटे अक्षत के साथ चैन से रह कर अपनी उन्नति कर पाएंगे।

ग्राम टीघाली के 1.046 हेक्टर वन भूमि पर वर्षों से कब्जा कर खेती करने वाले श्री कनोजे बताते हैं कि वन भूमि होने के कारण हमेशा भय बना रहता था कि ना जाने कब वनरक्षक आकर बेदखल कर देंगे। जिसके कारण में चाह कर भी अपनी भूमि पर उन्नत खेती करने का साहस नहीं जुटा पा रहे थे। किंतु अब सरकार ने पट्टा देकर जो राह दिखाई है, उस राह पर चलते हुए वे शीघ्र उन्नत किसान बनकर अपना और अपने परिवार का विकास कर पाएंगे।

ज्ञातव्य है कि, श्री कनोजे को उनके कब्जे की इस वन भूमि का पट्टा देने के साथ-साथ कुआं बनवाने हेतु भी आर्थिक सहायता सरकार ने उपलब्ध कराई है । जिसके कारण श्री कनोजे को पूर्ण विश्वास हो चला है कि वे अब अपने परिवार के विकास का नया ताना-बाना सरलता से बुन पाएंगे।

मॉर्डन मनुष्य की सबसे बड़ी भूल, एनर्जी का अंधाधुन उपभोग

मप्र के सोलर एनर्जी ब्रांड एंबेसेडर ने आदत बदलने का किया अनुरोध

माही की गूंज, खरगोन।

मप्र शासन ने बाम्बे में भीकनगांव के डॉ. चेतन सोलंकी को सौलर एनर्जी में प्रदेश का ब्रांड एंबेसेडर नियुक्त किया है। आईआईटी बाम्बे में प्रोफेसर के तौर पर कार्य कर रहे डॉ. सोलंकी 26 नवंबर से भारत देश की सौलर स्वराज यात्रा पर निकले है। वर्ष 2030 तक अपनी इस यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर बिजली की खपत कम करते हुए सौलर एनर्जी का उपयोग और मनुष्य की आदतों को बदलने का अनुरोध कर रहे है। मंगलवार को डॉ. सोलंकी ने खरगोन के महाविद्यालय में प्रोफेसर, व्याख्याताओं, शहर के बुद्धिजीवी और विद्यार्थियों के बीच सौलर एनर्जी और मानव जीवन पर अपना उद्बोधन दिया। अपने उद्बोधन में डॉ. सोलंकी ने वर्तमान मॉर्डन मनुष्य की सबसे बड़ी तीन भुल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मानव इस धरती का सबसे बड़ा खतरनाक प्राणी है, जो अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। उन्होंने कहा कि मॉर्डन मनुष्य की लालच आने वाली पीढ़ी के लिए सबसे घातक साबित होगी। इसके परिणाम आज से ही मिलना प्रारंभ हो गए है। डॉ. सोलंकी ने कहा कि मॉर्डन मनुष्य ने जमीन से पानी निकालना तो सीख लिया, लेकिन बारिश में पुनः धरती को पानी लौटाने की नहीं सोची, यहीं मनुष्य की मुर्खता है। साथ ही मनुष्य की सबसे बड़ी भूल उसकी अज्ञानता भी है। वह सब कुछ जानते हुए भी अज्ञानी बनकर नजर अंदाज करने लगा है। यही सबसे बड़ी मुसीबत का कारण है। हम सब आने वाली पीढ़ी को प्यार नहीं, बल्कि मृत्यू का न्यौता दे रहे है। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य शैल जोशी उपस्थित रही।

मानव जीवन की उल्टी गिनती शुरू

आईआईटी में प्रो. डॉ. चेतन सोलंकी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि धीरे-धीरे हम जीवन समाप्ति की ओर बढ़ रहे है। एनर्जी बचाने का काम सिर्फसरकारों का ही नहीं है अब हम सबको आगे आना होगा। प्रेसवार्ता में डॉ. सोलंकी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि विश्व की कई वेबसाईट और संस्थाओं ने मानव जीवन की उल्टी गिनती शुरू कर दी है। मौजूदा समय में हमारे आसपास जिस तरह कार्बन डाईआक्साईड है, उसके अनुसार कई प्रजातियां पेड़-पौधे और यहां तक की पशु-पक्षियों का अस्तित्व भी खत्म होते जा रहा है। इसी तरह किसी दिन मानव का अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा। इससे पहले हम सबकों जागना होगा और अपने आदतें बदलनी होगी।

बदलनी होगी आदतें

माईक्रों इलेक्ट्रॉनिक्स में अध्ययन करने के बाद डॉ. सोलंकी ने सौलर एनर्जी की पढ़ाई प्रारंभ की। उन्होंने प्रेसवार्ता और कॉलेज में दिए गए उद्बोधन में उपाय भी सुझाएं। डॉ. सोलंकी ने कहा कि हमकों बिजली कनेक्शन मुक्त घर करने होंगे। वहीं फ्रिज व एसी जैसे उपकरणों का उपयोग कम करना होगा। कोशिश करें कि सर्दी के सीजन में इन दिनों का उपयोग बंद कर दें। जितने पानी की आवश्यकता होती है, उतना ही उपयोग करें और ज्यादातर पानी जमीन में वापस करने का काम कर सकते है। सबसे ज्यादा समाज में इसे चर्चा का विषय अवश्य बनाए। हर एक के साथ इस पर विचार साझा करें। जितने ज्यादा लोग इस पर विचार करें, उतनी ज्यादा जागरूकता आएगी और सोलर एनर्जी के प्रति विश्वास बढ़ेगा। महाविद्यालय में डॉ. सोलंकी के संबोधन के पश्चात समाजसेवी कल्याण अग्रवाल और डॉ. मेजर अनुराधा ने सभी संबोधित किया। कार्यक्रम का प्रो. राजाराम आर्य ने किया और आभार महेश गुप्ता ने माना।

कलेक्टर से की मुलाकात

डॉ. सोलंकी ने कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी से मुलाकात करते हुए आगामी मानव जीवन पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने इंदौर और उज्जैन के प्रयासों के बारे में बताया। इंदौर के खजराना और उज्जैन के महाकाल मंदिर में सौलर एजर्नी पैनल स्थापित करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह ने अक्षय ऊर्जा अधिकारी राजेंद्र गोयल से कहा कि ऐसे भवन और स्थान चयन करें, जहां पूरी तरह सौलर पैनल से ऊर्जा का उपयोग कर सकें। मुलाकात के पश्चात कलेक्टर ने सौलर एनर्जी यात्रा वाहन का अवलोकन किया। डॉ. सोलंकी ने कहा कि 11 वर्षों तक यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी और देश के कई हिस्सों में पहुंचेगी।

बाबदड के तालाब में लिखी जा रही है विकास की नई इबारत

माही की गूंज, बड़वानी।

विकासखंड सेंधवा के ग्राम बाबदड के तालाब में उत्पन्न हो रही छोटी-छोटी लहरों पर 18 परिवारों के दर्जनों सदस्यों के बड़े-बड़े सपने सवार है। सभी को उम्मीद है कि मछली के बच्चों के बड़े होने के साथ-साथ दिनोंदिन बड़ी होती जा रही यह लहरें, जब मछली को तालाब से निकालने के साथ बंद होगी तब उनके घर लक्ष्मी का प्रवेश होगा। जिसे वे अपना और अपने बंधु-बंधुओं का वर्षो से देखा जा रहा सपना पूर्ण कर पाएंगे।

ग्राम विकास समिति के सदस्य सोहन बताया कि, बाबदड तालाब के मिले 10 वर्षीय पट्टे से सभी 18 सदस्य खुश है। सभी की सहमति से इस तालाब में 20 हजार, 3 इंची मत्स्य बीज डाले गए हैं। इसमें कतला, रोहू, नरेन एवं कॉमन कार्ब के बच्चे सम्मिलित है। जब यह बच्चे 8 माह पश्चात बड़े हो जाएंगे, तब इन्हें आसपास के ग्रामों में लगने वाले हाट-बाजारों में तथा पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित बड़े शहरों के बाजारों में ले जाकर बेचेंगे। इससे लगभग 3 से 4 लाख रुपए प्राप्त होंगे। जिसे समिति के समस्त सदस्यों को बराबर बराबर बांटा जाएगा इस कारण समिति के सभी सदस्यों को विश्वास है कि मत्स्य पालन एवं अन्य परंपरागत खेती से इतना लाभ मिलने लगेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों की छोटी-मोटी इच्छा की पूर्ति होने के साथ-साथ परिवारों का गुजर बसर और अच्छी तरह से होने लगेगा।

अब अनिवार्य होगा पशुओं के कानों में टैग लगवाना

माही की गूंज, बड़वानी।

बिना टैग लगे पशुओं को नहीं मिलेगी कोई सुविधा

पशुपालन विभाग के मैदानी अमले द्वारा जिले में घर-घर जाकर पशुओं के कानों में टैग लगाए जा रहे हैं। इसके पश्चात टैग लगे पशुओं को ही टीकाकरण, बीमा, कृतिम गर्भाधान, पशुओं की चिकित्सा, लोन एवं अन्य शासकीय सुविधा मिलेंगे। पशु बाजारों में बिना टैग लगे पशुओं का क्रय-विक्रय एवं पशुओं का परिवहन भी नहीं किया जा सकेगा।

उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ एलएस बघेल ने जिले के ऐसे पशु पालकों से अपने पशुओं के कानों में टैग लगवाने का अनुरोध किया है जिन पशु पालकों ने अपने पशुओं के कानों में अभी टैग नहीं लगवाया है। उन्होंने बताया कि, ऐसे पशुपालक अपने निकटतम पशु चिकित्सा संस्था से संपर्क कर अपने सभी पशुओं के कानों में टैग लगवा सकते हैं। जिससे उन्हें शासकीय सुविधा लेने में कोई परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

कलेक्टर सिंह ने किया दो गांवों का निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के कार्ड बनाने के लिए विशेष मुहिम चलाई जा रही है। कलेक्टर रोहित सिंह ने मंगलवार को झाबुआ तहसील के ग्राम मोहनपुरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में टीम द्वारा आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान ग्रामीणों से रूबरू भी हुए और उनसे आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाने की शुल्क तथा उसके फायदों की जानकारी प्राप्त की। सिंह ने कम्प्युटर ऑपरेटर से कार्ड बनाने की सम्पूर्ण प्रोसेश की जानकारी ली।

सिंह ने इसके बाद ग्राम पिपलिया पारा रोड़ पर स्थित ग्राम पंचायत कार्यालय में टीम द्वारा बनाए जा रहे आयुष्मान भारत योजना के कार्ड की समीक्षा की और कार्ड बनाने में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। कम्प्युटर ऑपरेटर ने अवगत कराया कि अभी तक 3 हजार 500 आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाए जा चुके है। अक्टूबर नवम्बर माह में लगभग 1800 कार्ड बनाए जा चुके है। कलेक्टर सिंह ने विद्युत की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि विद्युत सुचारू रूप से चल रही है। जिससे कार्ड बनाने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। उन्होने मोहनपुरा तथा पिपलिया पारा रोड के ऑपरेटरों के कार्यो की प्रंशसा की और इसी तरह आगे भी शत-प्रतिशत हितग्राहियों के कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। सिंह ने इन दोनों गावों में उपस्थित हितग्राहियों से कहा कि वे सभी कार्ड बनवाकर वापस अपने घर जाए। इस योजना के तहत मात्र 30 रूपए में कार्ड बन रहे है और बीमार होने पर 5 लाख रूपए तक की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होगी। यह लाभदायक योजना है। इसलिए शत-प्रतिशत ग्रामीण जन आयुष्मान भारत योजना के कार्ड आवश्यक रूप से बनवाएं। इन दोनों गांवों में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाने के लिए मौदूज थे। सिंह ने इन स्थानों पर ग्राम पंचायत स्तर के मैदानी अमले से चर्चा की और निर्देश दिए हैं कि इस योजना का क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार कर ग्रामीणों को आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत झाबुआ चन्दरसिंह मण्डलोई, नायब तहसीलदार हर्षल बोहरानी उपस्थित थे।

जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई

माही की गूंज, झाबुआ।

कोविड-19 वैक्सीन की पूर्व तैयारियों के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्टर रोहित सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, मुख्य चिकित्सा तथा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर ज्योति परते सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सिंह ने कोविड-19 वैक्सीन सफ्लतापूर्वक समस्त हेल्थ केयर वर्कर को लगाए जाने के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व, तहसीलदारों को विकासखण्ड टास्क फोर्स की बैठक आहुत करने के निर्देश दिए। जिससे कोविड-19 वैक्सीन टीकाकरण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार का अवरोध न हो इसके लिए आवश्यक मानव संसाधन, प्रशिक्षण, निरीक्षण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर निरंतर कार्यों की समीक्षा कर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी पल्स पोलियों अभियान 17 जनवारी 2021 पोलियो रविवार को सफ्लतापूर्वक आयोजन किए जाने के भी निर्देश दिए। बैठक के प्रारम्भ में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राहुल गणावा, ने कोविड-19 वैक्सीन लगने के लिए हेल्थ केयर वर्कर की सीवीबीएमएस पोर्टल में शत-प्रतिशत एन्ट्री माईक्रोप्लानिंग, कम्युनिकेशन प्लानिंग, कोल्ड चौन ओर वैक्सीन लॉजिस्टिक प्लानिंग की अवधारणा की जानकारी दी।

बेअसर रहा बंद, केवल औपचारिकता की गई, दिनभर खुला रहा बाजार

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को भारत बंद का आव्हान था लेकिन जिले में इसका कोई असर नहीं दिखा है। दिनभर सभी स्थानों पर दुकानें खुली रही है। यातायात आवागमन भी सामान्य दिनों की तरह चला है। बंद का समर्थन करने के लिए प्रभावी ढंग से कोई आगे नहीं आया। केवल कांग्रेस ने औपचारिकता करते हुए महामहीम राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया है। इसके अलावा भारत बंद को किसी भी स्तर पर समर्थन नहीं मिला है।

कृषि कानुनों को लेकर आंदोलन के तहत मंगलवार को भारत व्यापी बंद का आव्हान तो कर दिया गया लेकिन उसका कोई असर यहां देखने को नहीं मिला। सामान्य दिनों की तरह ही जन जीवन चलता रहा। कांग्रेस ने जरूर औपचारिकता करते हुए राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया। ज्ञापन एसडीएम एमएल मालवीय ने लिया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया किभाजपा अपने चंद व्यापारी मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए कृषि कानुन ला रही है। इससे किसानों को बहुत नुकसान होगा। ज्ञापन में कृषि कानुन तत्काल खारिज करने की मांग की गई है। जिला कांग्रेस द्वारा दिए गए इस ज्ञापन के दौरान जिलाध्यक्ष निर्मल मेहता, संभागीय प्रवक्ता साबिर फीटवेल, जनपद अध्यक्ष शंकर सिंह भूरिया सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे।

विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों द्वारा अपने-अपने कलस्टर की ग्राम पंचायतों का जायजा

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर रोहित सिंह के निर्देशानुसार आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलस्टर स्तर पर नियुक्त विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा गत दिवस अपने-अपने कलस्टर की ग्राम पंचायतों का जायजा लिया गया। इन अधिकारियों द्वारा अपने-अपने कलस्टर में आयुष्मान भारत योजना के तहत हितग्राहियों के कार्ड बनाने के कार्य में गति लाने के लिए संबंधितों को प्रेरित किया। कार्ड बनाने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। मुख्य चिकित्सा तथा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने ग्राम अनंतखेड़ी का जायजा लिया और आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड बनाने की प्रक्रिया में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए।

जैविक खेती -आय का साधन

माही की गूंज, बड़वानी।

वर्तमान समय में जहां रासायनिक खादों से मृदा के स्वास्थय के साथ-साथ मानव स्वास्थय पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। परिणामस्वरूप मृदा की उर्वरा शक्ति कम हो रही है, जिससे विभिन्न खाद्य फसलों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है वहीं ऐसे समय में आंकाक्षी जिला बड़वानी के प्रगतिशील कृषक दिलीप पाटीदार निवासी ग्राम बोरलाय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी केन्द्र के मार्गदर्शन में जैविक खेती को अपनाया गया। उन्होनें विभिन्न फसलों में जैविक पद्धति को अपनाकर जैविक खेती करने का संकल्प लिया है। इनके द्वारा वर्तमान में अपने कृषि फार्म पर लगभग 2.5 एकड़ में अदरक की फसल एवं 4 एकड़ क्षेत्र में अरबी की फसल लगाई गई है। इनके द्वारा अदरक फसल के जैविक बीज तैयार किए जा रहा है।

इसी तारतम्य में ''एक जिला एक फसल'' कार्यक्रम के अन्तर्गत बड़वानी जिले हेतु चयनित फसल अदरक के प्रक्षेत्र का भ्रमण कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एसके बड़ोदिया, उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. डीके जैन, शस्य वैज्ञानिक डॉ. डीके तिवारी व रॉवे छात्राओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर दिलीप पाटीदार ने छात्राओं को बताया कि, उनके द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के मार्गदर्षन में खेत तैयार करने हेतु नीम खली व केंचुआ खाद के भुरकाव के साथ ट्राइकोडरमा का उपयोग किया। इसके पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा उपलब्ध कराए गए वेस्ट डिकम्पोजर का घोल तैयार कर खेत में छिड़काव किया। इसके साथ ही वे अदरक फसल के बीजोत्पादन हेतु फसल तैयार कर रहे है जिसके लिए केचुऑ खाद व अन्य जैविक उत्पाद जैसे नीम खली व जैविक कीटनाशक गौ कृपा जीवामृत वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में तैयार कर अदरक की फसल में उपयोग ले रहे है।

उनका यह कहना है कि, अगर हम खेती में रसायनों का प्रयोग नहीं करेंगे तो इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि के साथ जनसामान्य हेतु जैविक फसल उपलब्ध करा सकेंगें जिससे मृदा व सभी के स्वास्थय के लिये लाभकारी होगा। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जैविक पद्धति से मसाला फसलों के उत्पादन की प्रायोगिक जानकारी प्राप्त की।

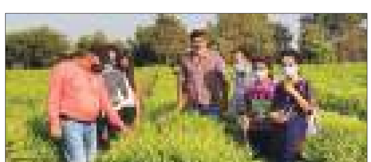

सुशासन की वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान बड़वानी कलेक्टर के भू माफिया के विरुद्ध की गई कार्यवाही को मुख्यमंत्री ने सराहा

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने बुधवार को सुशासन पर आयोजित अपनी वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान बड़वानी कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के द्वारा भूमाफिया पर की गई कठोर कार्रवाई को सहारा है। साथ ही इसी प्रकार की कार्रवाई को अन्य जिलों के कलेक्टरों को भी करने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को आयोजित मुख्यमंत्री के इस वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि, उन्होंने जिले में 130 ऐसे रेफरेंस प्रकरणों में कार्रवाई की है, जिसमें भू अर्जन के पश्चात गलत दस्तावेज लगाने के कारण मुआवजे की राशि लाखों रुपए से बढ़कर करोड़ों में हो गई थी। इस कार्यवाही से शासन को होने वाले 44 करोड़ से अधिक के राजस्व क्षति को रोकने में सफ्लता मिली है। इसमें से 100 प्रकरणों में उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में अपील दायर की गई है जबकि शेष प्रकरणों में भी अपील दायर की जा रही है। इसी प्रकार शासकीय भूमि पर बन गए एक विशाल शोरूम वाले के विरुद्ध भी कार्रवाई प्रचलन में है। इस पर मुख्यमंत्री ने बड़वानी कलेक्टर के प्रयासों की सराहना करते हुए इस प्रयास को जारी रखने के निर्देश दिए।

जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने उसके अंजाम तक पहुंचाया

तिहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी साइको किलर दिलीप देवल पुलिस एनकाउंटर में ढेर

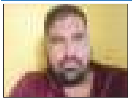

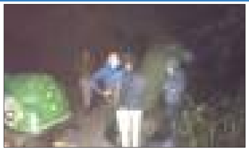

मुठभेड़ स्थल पर एनकाउंटर टीम के साथ एसपी गौरव तिवारी।

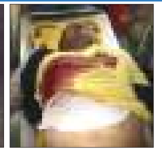

एनकाउंटर के बाद बदमाश दिलीप देवल

माही की गूंज, रतलाम।

छोटी दीपावली के दिन 25 नवंबर को शहर के राजीव नगर इलाके में हुए तिहरे हत्याकांड और रतलाम में एक और हत्या का शातिर साइको किलर फरार मुख्य आरोपी दिलीप देवल को गुरुवार रात रतलाम पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। बदमाश दिलीप देवल के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में एक थाना प्रभारी सहित 4 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। रतलाम में तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाला दिलीप देवल घटना के बाद से फरार था हत्याकांड के 4 आरोपियों को पुलिस पकड़ चुकी थी, लेकिन घटना का मास्टरमाइंड पुलिस के हत्थे नही चढ़ा था और पुलिस सरगर्मी से उसकी तलाश में लगी हुई थी। गुरुवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, दिलीप देवल को धनासुता रोड की तरफ देखा गया है मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र में तलाश शुरू की तो फरार दिलीप देवल भागता हुआ दिखाई दिया। पुलिस अधिकारियों ने जब उसे रुकने को कहा तो, उसने पुलिस दल पर फायर कर दी, आत्मरक्षा में पुलिस कर्मियों को भी फायर करना पड़ा और दिलीप देवल मारा गया। वहीं दिलीप देवल द्वारा की गई फायरिंग से 5 पुलिसकर्मी घायल हुए, दिलीप देवल का एनकाउंटर रात करीब साढ़े 9 बजे हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी गौरव तिवारी समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

मजिस्ट्रियल जांच के आदेश हुए जारी, अनुविभागीय दंडाधिकारी अभिषेक गहलोत को जांच अधिकारी किया नियुक्त

जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के अंतर्गत थाने में पंजीकृत अपराध क्रमांक 272/2020 एवं 602/2020 धारा 302 भादवि एवं 25/27 आर्म्स एक्ट में फरार आरोपी दिलीप पिता भाव सिंह देवल जाति पटेलिया निवासी ग्राम खरेड़ी थाना ग्रामीण दाहोद की पुलिस मुठभेड़ में मृत्यु की राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली एवं मानव अधिकार आयोग भोपाल द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार प्रकरण में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने जांच पत्र में उल्लेखित तथ्यों पर आरोपी की मृत्यु के संबंध में रतलाम कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गोपालचंद डाट को प्रकरण में मजिस्ट्रेट जांच पर सहमति जताई है। उक्त मामले में अनुविभागीय दंडाधिकारी अभिषेक गहलोत को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बेटे को गोली मार हत्या करने वाले पिता पर आर्म्स एक्ट का भी हुआ मामला दर्ज

हत्यारा पिता जंगली जानवर का करता था शिकार, घर से हुई बंदूकें बरामद

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

कुशलगढ के पाटन थाना क्षेत्र के जोगडी माल में गुरुवार को टोपीदार बंदूक से गोली मारकर अपने बेटे की हत्या कर दी थी, मामले में गिरफ्तार आरोपी जंगली जानवर के शिकार का शौकीन था। अपने शौक को पुरा करने के लिए उसने अपने घर में और भी अवैध हथियार रखे हुए थे, सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी के घर से दो और टोपीदार बंदूक बरामद कर आर्म्स एक्ट में हत्या के मामले के साथ एक ओर केस दर्ज किया।

बतादे कि, गुरुवार रात को हुई वारदात में 24 वर्षीय रमनलाल मईडा को उसके पिता नाथू पुत्र नागजी मईडा ने गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके बाद मृतक के भाई मन्ना ने अपने हत्यारे पिता के विरुद्ध की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर पुलिस ने तहकीकात की ओर नाथू को रांणगा के जंगल से गिरफ्तार किया। इसके बाद वारदात में प्रयुक्त बंदूक भी पुलिस ने जंगल से बरामद की। रिमांड अवधि के दौरान ही पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि, नाथू के पास और भी हथियार है जिन्हें उसने घर में छिपा रखा है, इस पर थाना अधिकारी रमेश चंद्र और कांस्टेबल सतीश पाटीदार की टीम गढ़ी माली पहुंचकर घर की तलाशी ली इस दौरान अनाज की कोठी से दो और अवैध टोपीदार बंदूकें बरामद होने पर हत्या के मामले के साथ एक अन्य आर्म एक्ट में केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। पूछताछ में आरोपी नाथू ने बताया कि, वह जंगल में खरगोश और जंगली जानवरों का शिकार कर खाने का शौकीन था इसके लिए उसने बंदूके जमा की थी दोनों केस में पूछताछ के बाद रिमांड अवधि खत्म होने के मेद्देनजर पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के दल ने किया खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

माही की गूंज, रतलाम।

कलेक्टर गोपालचंद्र डाड के निर्देश पर जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन के संयुक्त दल द्वारा रतलाम एवं जावरा के कुल तीन खाद्य प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण कर 4 नमूने लिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच दल द्वारा श्री मोहन कल्याण एग्रो बन्नाखेड़ा जावरा से गेहूं का नमूना लिया गया, शंका के आधार पर 6 क्विंटल गेहूं जांच रिपोर्ट आने तक जप्त किया गया है। इसी प्रकार सिराज एंड कंपनी करमदी रोड रतलाम से एक नमूना लाल मिर्ची पाउडर का लिया गया तथा शंका के आधार पर 48 किलोग्राम लाल मिर्ची पाउडर जांच रिपोर्ट आने तक जब्त किया गया है। इसके अलावा राजलक्ष्मी होम इंडस्ट्रीज करमदी रोड रतलाम से लाल मिर्ची पाउडर के दो नमूने लिए गए और शंका के आधार पर 61 किलोग्राम मिर्ची पाउडर जांच रिपोर्ट आने तक जप्त किया गया है।

उक्त तीनों प्रतिष्ठानों पर जांच रिपोर्ट आने के बाद रिपोर्ट अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरआर सोलंकी, श्रीमती प्रीति मंडोरिया, यशवंत शर्मा, श्रीमती ज्योति बघेल सम्मिलित थे।

कलेक्टर ने वाट्सअप के माध्यम से शिकायतों का किया निराकरण

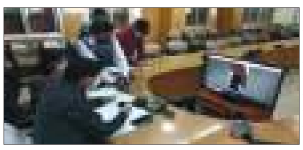

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर कलेक्टर शाजापुर दिनेश जैन ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए अभिनव पहल करते हुए 6 शिकायतकर्ताओं के लिए वाट्सअप वीडियो कॉलिंग के माध्यम से संपर्क किया तथा उनके द्वारा की गई शिकायतों का संतुष्टि के साथ निराकरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय तथा लोकसेवा प्रबंधक आशाय श्रीवास्तव भी मौजूद थे। जिले के कालापीपल ब्लाक के ग्राम हड़लायखुर्द निवासी अर्जुनसिंह राजपूत ने 4 नवंबर को शिकायत दर्ज करायी थी कि, उसे फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिला है। कलेक्टर ने अर्जुनसिंह से वाट्सअप वीडियो कॉल कर संपर्क किया और उसकी समस्या का निराकरण करते हुए बताया कि, फसल बीमा की राशि उसके बैंक खाते में जमा करा दी गई है। इससे शिकायतकर्ता अर्जुनसिंह संतुष्ट हुए और उन्होंने कलेक्टर को धन्यवाद दिया। साथ ही कलेक्टर द्वारा स्वयं बात करने पर प्रसन्न भी हुए।

इसी तरह शुजालपुर तहसील के ग्राम उगली निवासी विशाल पाटीदार, शुजालपुर तहसील के दुर्गेश परमार, शाजापुर तहसील के ग्राम किलोदा निवासी रामबाबु पाटीदार ने भी फसल बीमा प्राप्त नहीं होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की थी। इन शिकायतकर्ताओं से भी कलेक्टर ने वाट्सअप वीडियो कॉल से संपर्क कर उनकी शिकायतों का निराकरण करते हुए बताया कि, सभी के खातों में फसल बीमा की राशि जमा करा दी गई है।

ग्राम रायपुर की भूरीबाई चौरसिया ने नामांतरण एवं बटवारा का राजस्व रिकार्ड में सुधार नहीं होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। कलेक्टर ने भूरी बाई से संपर्क कर बताया कि, उनका नामांतरण राजस्व रिकार्ड में सुधार दिया गया है, इससे भूरीबाई संतुष्ट है।

धूमधाम से मनाया गया सोनाणा खेतलाजी भेरूजी का जन्मोत्सव

माही की गूंज, बामनिया।

पेटलावद रोड स्थित भैरव नगर में श्री सांचाल सोनाणा तीर्थ धाम पर श्री सोनाणा खेतलाजी भेरूजी ट्रस्ट के तत्वाधान् में श्री सोनाणा खेतलाजी भेरूजी का जन्मोत्सव 'भैरव कालअष्टमी महोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर पर विद्युत सज्जा की गई और गुब्बारों से आकर्षक रूप से सजाया गया।

शुभ मुहूत में श्री सोनाणा खेतलाजी भेरूजी की प्रतिमा का पंचाम्रत से पक्षाल कर चौला, इत्र, फूल, बालभोग आदि चढ़ाया गया। जिसके बाद दोपहर 11 बजकर 39 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त में खेतलाजी को पालना झूलाकर जन्मोत्सव मनाया गया। श्रृंगार का लाभ पंकज प्रकाशचंद्र मेहता परिवार बामनिया ने लिया।

108 दीपकों से हुई महाआरती

श्री सच्चियाय माता की आरती के बाद भेरूजी की 108 दीपकों से महारआरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जन्मोत्सव पर भक्तों ने खेतलाजी और माताजी के जयकारें लगाते हुए पुष्पवर्षा कर को कंकू के छापे लगाएं।

समस्त कार्यक्रम राजेंद्र शांतिलाल भंडारी के निर्देशन में खेतलाजी तीर्थ के गादीपति विवेक लुणावत की देखरेख में संपन्न् हुए। इस अवसर पर अध्यक्ष भंवरलाल बाफना, उपाध्यक्ष कांतिलाल वागरेचा, सचिव पंकज जैन, मीडिया प्रभारी मयंक बाफना, पंकज मेहता, अजय गांधी, निलेश कुमावत, पवन राठौर, ललीत बैरागी, लक्ष्मणभाई आदि श्रद्धालु उपस्थित थे।

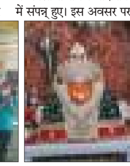

आयुष्मान भारत योजना के कार्ड निर्माण की प्रगति समय सीमा में सुनिचित की जाए- श्रीमती गुप्ता

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जिले में लोकसेवा केन्द्रों एवं कॉमन सर्विस सेन्टरों के माध्यम से आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड बनाए जाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने सीएमएचओ, जिला समन्वयक आयुष्मान भारत, कॉमन सर्विस सेन्टर जिला प्रबंधक को समय सीमा में आयुष्मान भारत कार्ड बनाए जाने संबंधित निर्देश दिए है। उन्होंने पंचायत स्तर के मैदानी अमले एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के माध्यम से ग्रामीणों को आयुष्मान भारत कार्ड बनाने की जानकारी एवं योजना के महत्व की जानकारी साझा करने के निर्देश दिए। उक्त संबंध में विभाग प्रमुखों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के 110 कॉमन सर्विस सेन्टरों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में विशेष कैम्प आयोजित किए जाकर आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड निर्माण की प्रगति सुनिचित की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि, आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड बनाए जाने की प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट समस्त सीएससी वार प्रस्तुत की जाए। बता दे कि, आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड बनाए जाने हेतु हितग्राही को समग्र आईडी, आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर लेकर कार्ड निर्माण स्थल पर उपस्थित होना है।

अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष मुहिम चलाई जाए- कलेक्टर सिंह

माही की गूंज, झाबुआ।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर रोहितसिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सिंह ने जिले में किए जा रहे आधार सिडिंग कार्य की प्रगति की समीक्षा की और आधार सिडिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सिंह ने पथ विक्रेता उत्थान योजना की प्रगति की समीक्षा की और इस योजना में प्रगति संतोषजनक नहीं पाई जाने पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही मुख्य नगरपालिका अधिकारियों और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ऋण वितरण सुनिश्चित कराएं।

कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए है कि सभी कलस्टर अधिकारी अपने कलस्टर में हितग्राहियों के कार्ड बनाने के कार्य में और अधिक गति लाएं। इस अभियान के प्रगति से प्रतिदिन अवगत कराएं। सिंह ने कहां कि जिले को स्वास्थ्य के मामले में आत्मनिभर्र बनाने के लिए प्रयास किए जाए। उन्होंने ई-गेवर्नेस प्रबंधक का कार्य सन्तोषजनक नहीं पाए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए। इस बैठक में जिले में संचालित आरोग्य केन्द्रों को सक्रिय करने के कार्य की प्रगति की समीक्षा की और मुख्य चिकित्सा तथा स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए।

इस बैठक में राजस्व प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की गई और इन प्रकरणो का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही अपर कलेक्टर को इसकी मानिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। इस कार्य में लापरवाही करने पर राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध निलबंन कि कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने विभिन्न मदों में राजस्व बकाया वसुली कार्य की समीक्षा करते हुए वसुली कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए। सिंह ने जिले में दिव्यांगजनों लिए केम्प आयोजित किए जाने के निर्देश उप संचालक पंचायत तथा सामाजिक न्याय को दिए। उन्होने समाधान ऑन लाईन विडियो कांफ्रेसिंग की चयनित शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की तथा इन शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होने मिलावट से मुक्ति अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए है कि जिले में मिलावट से मुक्ति के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस बैठक में खरीफ 2020 धान, बाजरा, ज्वार, के उपार्जन कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही रबी 2020-21 में जिले में यूरिया खाद की उपलब्धता की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त खांद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाने के लिए विशेष मुहिम चलाने के निर्देश दिए। इसके लिए अनुविभागीय अधिकारी पटवारियों तथा राजस्व निरीक्षकों की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। पटवारी द्वारा अतिक्रमण संबंधी जानकारी नहीं देने पर उनके विरूद्ध निलंबन तथा सेवा समाप्ती की कार्यवाही की जाएगी। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर ज्योति परते, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद थे।

कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौके पर मौत

थांदला-बदनावर मार्ग पर फिर गई एक जान

माही की गूंज, पेटलावद। थांदला-बदनावर स्टेट हाइवे पर शनिवार को ग्राम पंथबोराली में एक कार और एक बाइक की टक्कर हो गई जिसमें बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि, बाइक सवार बदनावर की ओर से तेज गति से आते हुई पेटलावद की ओर से आ रही कार से टकरा गया। बाइक सवार युवक ग्राम अगराल का निवासी है जिसका नाम प्रफुल्ल पांचाल है पुलिस कर्मियों के द्वारा उक्त बाइक सवार के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत्यु होने की पुष्टि की। थांदला-बदनावर अत्यंत ही व्यस्त मार्ग है और आस-पास के जिलो सहित आस-पास के राज्य गुजरात और राजस्थान से जोड़ने वाला मार्ग है जिससे 24 घन्टे मार्ग पर भारी आवाजाही लगी रहती है ऐसे में आए दिन हो रहे हादसों में लोग अपनी जान गवा देते है या गम्भीर रूप से धायल हो जाते है।

हिन्दू युवा जनजाति संगठन की मेघनगर तहसील के नगर तथा ग्रामीण अध्यक्ष की हुई घोषणा

दिपक हिहोर

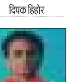

रायमल पारगी

माही की गूंज, मेघनगर। हिंदू युवा जनजाति संगठन के झाबुआ जिलाध्यक्ष कमलेश मावी द्वारा जिले मे संगठन का विस्तार किया गया, जिसमे मेघनगर ग्रामीण अध्यक्ष रायमल पारगी एवं नगर अध्यक्ष दिपक हिहोर की घोषणा की गई। जिला अध्यक्ष ने दायित्व देते हुए कहा कि, समाज ओर राष्ट्र के प्रति संगठन द्वारा दिए गए दायित्व को कर्तव्यनिष्ठा से आप निभाओगे और संगठन एवं जनजाति समाज के लिए हमेशा तत्पर रहोगे। हमारी सनातन संस्कृति एवं हमारे जनजाति वीरों के पद चिन्हों पर चलकर सनातन संस्कृति को बचाना है एवं समाज उत्थान के लिए समाज मे सक्रियता से कार्य कर देश विरोधी ताकतों को खदेड़ना है। नवीन पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के द्वारा बधाई दी गई।

ग्राम स्तर पर कैंप आयोजित कर बनाए जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड

ग्रामीण कार्ड बनाने के लिए उत्साह पूर्वक आ रहे आगे

माही की गूंज, पेटलावद।

शासन के निर्देश अनुसार पुरे जिले में युद्ध स्तर पर पात्र हितग्राहियो के आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत कार्ड बनाए जाना है, इसको लेकर जिला कलेक्टर महोदय रोहित सिंह आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड बनाए जाने की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया है। इसी के निमित पेटलावद के वार्ड क्रमांक 11 में नगर परिषद के पंजीयन हेतु नियुक्त दल के कर्मचारियों चंदन सतोगिया, विनोद परमार, सुनिल राठौड़, श्रीमती बारेला मेडम, सोनू कटारा, दीपक शिंदे के साथ पूरे वार्ड के प्रत्येक घर पर जाकर इस योजना से वंचित सभी पात्र हितग्राहियों का पंजीयन करवाकर 5 लाख तक निःशुल्क चिकित्सा सहायता के लिए पंजीबद्ध करवाए।

सारंगी व जामली में भी किए गए कैंप आयोजित

सारंगी सहीत अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित कर आयुष्मान भारत लाभार्थी कार्ड निर्माण की प्रगति तेजी से चल रही है। मिशन चिरंजीव आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत महात्मा गांधी सेवा केंद्र सारंगी के संचालक कृष्णागिरी गोस्वामी ने बताया, सारंगी क्षेत्र के करीब 2 हजार आयुष्मान कार्ड लोगो के बना दिए गए हैं। पूरे जिले में आयुष्मान भारत योजना के तहत विशेष मुहिम चलाई जा रही है इसमें पंचायत के मैदानी अमले पंचायत सचिव आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से ग्रामीणों को आयुष्मान भारत कार्ड बनाने की जानकारी एवं योजना के महत्व की जानकारी दी जा रही है।

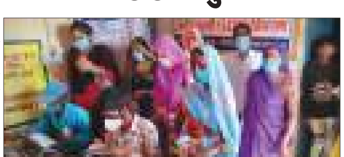

वही जामली में प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही जिला जन कल्याण योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड हेतु उपस्वास्थ्य केंद्र में बनाया जा रहा है जिसके लिए जो पिछ्ली बार बच चुके थे उनको प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। बीमारी से हॉस्पिटलों में पैसे खर्च की उनकी गुंजाइश न हो ऐसे व्यक्तियों को इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री के आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना को लेकर आगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता ने घर जाकर योजना की जागरूकता का संदेश दिया।

मैरिज गार्डन के प्रवेश द्वार पर ही होगी थर्मल स्कैनिंग

माही की गूंज, रतलाम।

कोविड-19 के संक्रमण के दृष्टिगत कलेक्टर गोपालचंद्र डाड के निर्देश पर एसडीएम रतलाम शहर अभिषेक गहलोत द्वारा वैवाहिक समारोह से जुड़े विभिन्न व्यक्तियों के साथ एक बैठक आयोजित कर उन्हें प्रशासन के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। इस बैठक में टेंट डेकोरेशन, कैटरिंग, लाइट डेकोरेशन, मैरिज गार्डन, रसोई, बैंड, गैस बत्ती व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति मौजूद थे। बैठक में एसडीएम श्री गहलोत द्वारा निर्देशित किया गया कि, सभी मैरिज गार्डन संचालक उनके परिसर के प्रवेश द्वार पर आने वाले व्यक्तियों की थर्मल स्कैनिंग कराएंगे तथा देखेंगे कि टेंट डेकोरेशन, कैटरिंग, लाइट डेकोरेशन, रसोइए एवं उनके साथ काम करने के लिए आने वाले कर्मचारियों, मजदूरों की कोविड-19 जांच हो गई है अथवा नहीं। इसी तरह यह सुनिश्चित किया जाएगा कि, रसोईए, टेंट संचालक, लाइट डेकोरेशन, कैटरिंग तथा उनके साथ काम करने वाले कर्मचारियों, मजदूरों को अपनी कोविड-19 जांच के बाद ही कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश करेंगे।

बैठक में मौजूद डॉ. प्रमोद प्रजापति द्वारा बताया गया कि, विवाह कार्य में जुड़े व्यक्तियों की जांच प्राथमिकता से की जाएगी ताकि उनके कार्य में विलंब नहीं हो। बैठक में एसडीएम ने बैंड संचालकों को प्रदान अनुमति एवं निर्धारित शर्तों का पालन करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह भी निर्देशित किया कि, विवाह समारोह में निर्धारित संख्या में ही व्यक्ति शामिल हो, कोविड-19 के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए सभी व्यक्ति सहयोग करें, जांच करवाने को प्राथमिकता दें। एसडीम द्वारा चेतावनी भी दी गई कि आदेशों का पालन नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुने घर में चोरों ने दिया चोरी को अंजाम, परिवार गया था शादी में

माही की गूंज, खच्चरोटोड़ी।

राजस्थान के कुशलगढ़ में शादी समारोह में गए एक परिवार के घर पर चोरों ने धावा बोल दिया। चोर घर के पीछे बने रोशनदान को तोड़कर सुने मकान के अन्दर घुसे, चोर घर में रखे चांदी के सभी जेवरात ले जाने में सफल रहे।

घटना रम्भापुर चोकी के अन्तर्गत आने वाली ग्राम लुहारटोड़ी की है घर निलेश पंचाल का घर है। घर पर कुछ समय पहले चांदी के जेवरात की दुकान खोली थी, इस कारण चांदी के नए जेवरात घर पर रखे थे। पुरा परिवार शादी में गया था, इसी का फायदा उठाकर चोर सुने मकान में रोशनदान को तोड़कर घुसें, अलमारी की चाबी घर में अलमारी के पास ही रखी थी उसे खोलकर चांदी के सभी नए जेवरात ले जानें में चोर सफल रहे। जेवरात की कीमत करीबन 2 लाख बताई गई है, सुबह जब परिवार वापस घर लोटा तो इस चोरी का पता चला। इसके बाद चौकि प्रभारी को सुचना दी गई। मौके पर चौकी प्रभारी भी पहुंचें पुलिस नें चोरी का मामला पंजीबध्द कर विवेचना में लिया है।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने की 51 दीपको से श्रीराम की आरती उतारी

माही की गूंज, बामनिया। हिन्दू शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में विहिप बजरंग दल द्वारा प्रभु श्रीराम की 51 दीपो से भव्य महाआरती उतारी एवं महाप्रसादी का वितरण किया। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी उत्सव सोनी, नगर अध्यक्ष मानवेन्द्रसिंह सिसोदिया, नगर मंत्री समर्थसिंह चौहान, नगर संयोजक प्रणव पटेल, सह संयोजक धीरजसिंह देवड़ा एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। नगर प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद कुलदीप राठौर और सभी कार्यकर्ताओं ने बताया कि, आयोध्या में राम मंदिर को आक्रमणकारी बाबर के आदेश से सेनापति मीर बाकी ने सन 1552 को मंदिर गिरा कर बाबरी मस्जिद का निर्माण करवा दिया था। जिसके बाद से हिन्दू समाज एक दिन भी चुप नहीं बैठा और पुनः मंदिर निर्माण को लेकर संघर्ष करता रहा। आखिर लाखों हिन्दू पुरुषों और हजारों नारी शक्तियों के बलिदान के बाद 6 दिसंबर 1992 को हिन्दू समाज द्वारा बाबरी ढांचा विध्वंस कर दिया गया। इसलिए प्रतिवर्ष 6 दिसंबर को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महाराष्ट्र में क्षेत्र के 19 मजदूर बंधुआ बनाए गए

बंधुआ मजदूरों में 4 नाबालिग सहित 6 महिलाएं भी शामिल

पीड़ित परिजनों का सम्पर्क भी टूटा, सभी मजदूरो के मोबाइल बन्द, पुलिस से लगाई मदद की गुहार

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले से ग्रामीण अंचल के लोगों का मजदूरी के लिए पलायन कर अन्य राज्यों में सामूहिक रूप से जाना आम बात है। जिले के आदिवासी वर्ग का मजदूर रोजगार की तलाश में देश के हर कोने में मिल जाता है। अक्सर ये लोग सीधे एजेंसी के संपर्क में नहीं होकर बिचौलियों के माध्यम से काम पर जाते है। कई बार एजेंसी बिचौलिए को कमीशन देकर मजदूरों को मजदूरी का भुगतान करती है तो, कई बार एजेंसी पूरा भुगतान बिचौलियों को करती है और ऐसी परिस्थितियों में कई बार बिचौलिए मजदूरों के हक का पैसा लेकर भाग जाते है। जिसका खामियाजा दो जून की रोटी की जुगाड़ में घर से निकले मजदूर वर्ग और उनके परिजनों को भुगतान पड़ता है।

थांदला ब्लॉक व पेटलावद थाना क्षेत्र के 19 मजदूरों को जबरन बंधुआ मजदूर की तरह बन्दी बनाकर उनसे काम करवाने का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत पीड़ित मजदूरों के परिजन विदेश पिता लक्ष्मण मड़िया, मनीष पिता बाबू मैड़ा, सडिया पिता थावरिया भाबर, लक्ष्मण पिता धन्ना रावत निवासी भूरीघाटी व रामु पिता अमरा खड़िया निवासी बोराली ने पुलिस को की है। इन बंधुआ मजदूरों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल है जो अपने परिजनों के साथ रोजी रोटी की तलाश में गए थे।

महाराष्ट्र के लोग यात्री बस लाए और मजदूरों को ले गए अब तक नही लौटे

पीड़ितों के परिजनों ने बामनिया चौकी पर रिपोर्ट में बताया कि, ख्वाजा इब्राहिम, मुसा इब्राहिम निवासी चाटगांव तह. दारुल, जिला बिड महाराष्ट्र तथा रामसिंह पिता रूगनाथ राजपूत निवासी तनोद तहसील व जिला उज्जैन जो कि, 15 सितम्बर को रतलाम से यात्री बस द्वारा कार्य के मजदूरों की आवश्यकता है, आप लोग हमारे साथ चलो, आपको मनमाफिक मजदुरी देंगे, का कह कर अपने साथ ले गए।

इस क्षेत्र में काम नहीं मिलने से गांव के लगभग 55 लोग उक्त लोगों के साथ अपने बच्चों सहित मजदूरी करने चले गए। कोरोना महामारी के चलते काम की कमी और परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के चलते क्षेत्र के मजदूर महाराष्ट्र में मजदूरी के लिए चले गए, लेकिन कुछ दिन कार्य करने के बाद मजदूरी मंगने पर मजदूरी देने से मना कर दिया और कह दिया कि, 6 लाख रुपए तुम्हारे ठेकेदार को दे दिए है, जब तक वो पूरे नहीं होते यही काम करना पड़ेगा। फंसे हुए मजदूरों में कई लोग अपना सामान और मजदूरी छोड़कर भाग कर वापस आ गए लेकिन 55 में से 19 मजदूर वही फंस गए, जो अब भी महाराष्ट्र में फंसे हुए है, जिसमें 4 नाबालिग ओर 6 महिलाएं भी शामिल है।

मार-मारकर करवाते है काम, मजदूरों के मोबाइल भी छीने

पीड़ित मजदूरों के परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि, हमारे परिजनों के साथ जबरन मारपीट कर काम करवाया जा रहा है, उन्हें जबरन बंधुआ मजदूर की तरह बंधक बना लिया गया, यहां तक कि उनसे हमे मोबाइल पर बात भी नही करने दी जा रही है ओर उनके मोबाइल भी छीन लिए है। पीड़ित लोगों के परिजनों ने पुलिस चौकी बामनिया में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि, उपरोक्त पीड़ित व्यक्तियों के साथ मानव तस्करी की सम्भावना भी हो सकती है तथा उनकी जानमाल का भी खतरा उत्पन्न हो गया है, इसलिए सभी 19 मजदूरों को जल्द से जल्द छुड़ाने ओर सम्बंधित व्यक्तियों के खिलाफ बंधवा मजदूरी जैसे अपराध और उनके साथ मारपीट करने सम्बंधित कार्रवाई की मांग की है। अगर समय रहते पीड़ित मजदूरों को नहीं छुड़ाया गया तो उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

यह मजदूर फंसे है महाराष्ट्र में

क्षेत्र से मजदूर के लिए गए लक्ष्मण पिता कचरिया, बंटी पिता लक्ष्मण, गुड्डू पिता बाबु, राहुल पिता बाबू, नाथू पिता बाबू, खुमचन्द पिता रामा, मकना पिता खुमचन्द, तौलिया पिता खुमचन्द, तेरु पिता हड़िया, मुकेश पिता कानजी, सुरता पति तौलिया, वका पिता मुकेश, सुमित्रा पति गुड्डू, भूरी पति तेरु निवासी चापानेर तथा हुकिया पिता हरवनिया, अंतर पिता धर्मा, लीला पति हरवनिया निवासी भूरीघाटी व हुमली पति राजू, अंगूरी पिता राजू निवासी बोराली को ज्यादा मजदूरी देने की बात कहकर ले गए है। अब वह अपने घर गांव आना चाहते है, लेकिन उन्हें आने नहीं दिया जा रहा है। पीड़ित मजदूरों के परिजनों का अब उनसे संपर्क भी नहीं हो रहा है क्योंकि मजदूरों के मोबाइल भी बन्द करवाकर उनसे छिन लिए है, अब परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई और जल्द ही उन्हें वापस अपने गांव लाने की गुहार लगाई है।

सर्च वारंट के लिए दिया आवेदन

फंसे मजदूरों के परिजनों ने पुलिस से गुहार लगाई लेकिन वहां से कोई खास मदद नहीं मिलने से परेशान परिजनों ने अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को सर्च वारंट के लिए आवेदन दिया है। यदि मामले में सर्च वारंट जारी होता है तो जरूर आगे कार्रवाई होगी और मजदूरों के परिजनों को उनके जल्द घर वापसी की उम्मीद जागेगी।

अवैध रूप से चल रहे डिजल पम्प का हुआ पर्दाफाश

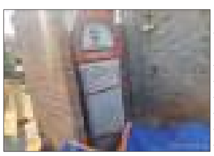

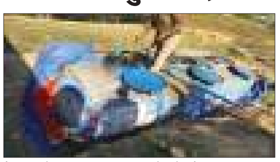

माही की गूंज, थांदला।

सोमवार को मुखबिर की सूचना पर ग्राम बालवासा (काकनवानी) के पास प्रकाश के ढाबे पर प्रकाश डामोर निवासी झाबुआ, धर्मेश हरिया निवासी अमरोली सूरत गुजरात द्वारा अवैध रूप से डीजल का संग्रहण कर विक्रय करते थे। जिस पर थांदला के एसडीओपी गवली, काकनवानी थाना प्रभारी, हरिनगर चौकी प्रभारी ने पहुंच कर मौके से 12 हजार लीटर क्षमता का कंटेनर, डिस्पेंसिंग मशीन, टिल्लू पम्प, पाइप व 100 लीटर डीजल जप्त किया। आरोपियों के खिलाफ 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण दर्ज कर मौके से धर्मेश को गिरफ्तार किया, वहीं निवासी झाबुआ ढाबा संचालक प्रकाश डामोर पुलिस गिरफ्त से फरार है।

बाल स्वास्थ्य एवं अधिकारों पर प्रक्षिशण आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता के दिशा निर्देशन में विकासखंड सोंडवा के स्वास्थ्य कर्मचारियों, समस्त एएनएम एवं आशा सहयोगिनी को बाल स्वास्थ्य, बाल विवाह, बाल हिंसा एंव बाल अधिकारों तथा किशोरावस्था और उनकी आवश्यकता से जुडे बिन्दुओं पर विशेष प्रक्षिशण प्रदान किया गया। प्रक्षिशण में बाल विवाह के दुष्परिणाम एवं नियमों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। प्रक्षिशण में बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं कानूनी प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी गई, साथ ही बाल विवाह से स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन आदि पर भी पडने वाले प्रभावों की जानकारी साझा की गई। प्रक्षिशणार्थियों को प्रक्षिशक किशोर सात्तिकरण समन्वयक सौरभ पोरवाल ने विस्तार से जानकारी प्रदान की। आरबीएसके जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक श्रीमती आरती तिवारी ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं उससे जुडे घटकों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की तथा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला।

जिला बस एसोसिएशन ने बढ़ा हुआ किराया लागू करने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

माही की गूंज, रतलाम। रतलाम किराया बोर्ड की बैठक में 50 प्रतिशत किराया बढ़ाने की सहमति होने के बाद भी अभी तक लागू नही किया गया, यह बात जिला बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिला परिवहन अधिकारी को ज्ञापन देते हुए कही। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि, 18 सितंबर को किराया बोर्ड की बैठक भोपाल में हुई थी उसमें सभी की सहमति से 50 प्रतिशत किराया बढ़ाने की मंजूरी हुई थी पर उसको अभी तक लागू नही किया गया है। इस अवसर कृअय्यूब मेव, मनीष जैन, सुशील टांक, विजेन्द्र चोरमा, सनू भाई, सुनील टांक, भारत सिंह राठौर, दीपेन्द्र चोरमा, नबनभाई आदि मौजुद थे।

पंचायत समिति में 14 वार्ड भाजपा की झोली में, तो 3 पर सिमटी कांग्रेस

कांग्रेस के कुशलगढ़ में भाजपा ने मारी बाजी

भाजपा के कानहिंग रावत सर्वाधिक 1959 वोटों से जीते, आज चुने जा सकते है रावत पंचायत समिति के प्रधान

माही की गूंज, कुशलगढ़। नितिन झाकरोद

पंचायत राज चुनाव परिणाम में कुशलगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ कर 78.51 प्रतिशत मतदान हुआ था, अधिक मतदान होने के बाद चर्चाओं के साथ ये ही कयास लगाए जा रहे थे कि, सर्वाधिक मतदान कांग्रेस के गढ़ में भाजपा अपना परचम लहराएगी और हुआ भी वहीं। आजादी के बाद से इतिहास में पहली बार कांग्रेस के गढ़ कुशलगढ़ में पंचायत समिति में 17 वार्ड में से 14 पर भाजपा ने बाजी मारी और कांग्रेस 3 पर ही सिमट गई। अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार के बावजूद कांग्रेस की इस हार के बाद क्षेत्र में राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं गर्म है। वहीं कांग्रेस अपनी हार के बाद हार की समीक्षा कर रही है।

पिछले दस साल की ही कुशलगढ़ प्रधान पद की बात की जाए तो कांग्रेस का दबदबा रहा है। क्षेत्रिय विधायक रमीला खड़िया के पति स्वर्गीय हुरतींग खड़िया प्रधान रहे तो उनके बाद स्वयं रमीला खड़िया प्रधान रही। बाद में हुए उपचुनाव में दोनों दलों की बराबर सीटें होने पर निर्दलीय चंपा ने भाजपा को वोट कर भाजपा की प्रधान बनी। ऐसे में पिछले दस साल के कांग्रेस के प्रधान पद के रिकार्ड को भाजपा ने तोड़कर पहली पर पूर्ण और स्पष्ट बहुमत से वार्डो में जीत दर्ज कराने में सफलता प्राप्त की। भाजपा की और से प्रधान पद के प्रबल और प्रमुख दावेदार वार्ड नंबर 1 से प्रत्याशी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष, पूर्व भाजपा ग्रामीण मंडल कुशलगढ़ अध्यक्ष कानहिंग रावत सबसे ज्यादा 1959 वोटों से जीते

सर्वाधिक 1959 मतों से की जीत हासिल करने वाले कानहिंग रावत आज चुने जा सकते है प्रधान

हैं। वही कांग्रेस को 17 में से मात्र 3 वार्ड पर जीत हासिल कर पाई, जिसमें वार्ड 13 कुशलगढ़ महुड़ा वार्ड पर भाजपा से भाजपा खेड़ा धरती मंडल अध्यक्ष राकेश वडखिया और कांग्रेस से कुशलगढ़ विधायक रमीला खड़िया के भतिजे विजय खड़िया के बिच तगड़ी टक्कर के बीच विजय खड़िया ने 153 वोटों से जित दर्ज की तो, विधायक के ग्रहक्षेत्र के वार्ड 10 पोटलिया भगतपुरा में भी कांटे की टक्कर के बीच कांग्रेस प्रत्याशी जानु देवी ने 96 वोट से जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस के घाटा क्षेत्र के युवा नेता लक्ष्मण दामा ने वार्ड 16 पर 590 वोटों से जीत दर्ज की।

भाजपा चौदह वार्डों में विजेता बनी जिसमें वार्ड न. 1 से कानहिंग रावत 1959, वार्ड न. 2 से हिरा 195, वार्ड न. 3 से प्रतापसिंह 465, वार्ड न. 4 से कीका देवी 724, वार्ड न. 5 से संगीता रावत 699, वार्ड न. 6 से नारायणी 364, वार्ड न. 7 से सुभाषचंद्र 219, वार्ड न. 8 से पुष्पा 578, वार्ड न. 9 से सीपा 602, वार्ड न. 11 से हुरां 761, वार्ड न. 12 से सरिता 755, वार्ड न. 14 से लिमजी 61, वार्ड न. 15 से कलावती 409, वार्ड न. 17 से एतरी 54 मतों से विजयी हुए।

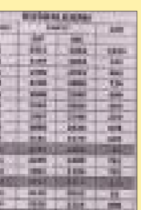

राजनीतिक सूत्रों अनुसार बता दे कि, आज पंचायत समिति के प्रधान पद के चुनाव होना है। जिसमें प्रबल दावेदार व सर्वाधिक मतों से जीत हासिल करने वाले कानहिंग रावत को पंचायत समिति के प्रधान के रूप में सर्वानुमति से चुने जा सकते है।

यातायात पुलिस आई एक्शन में

कैरियर लगाकर क्षमता से अधिक सवारी भरकर चला रहे वाहनो पर की गई चलानी कार्रवाई

पूर्व में भी दी गई थी समझाइश नही मानने पर की गई कार्रवाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

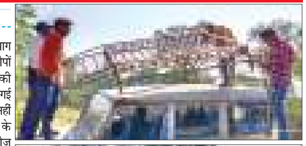

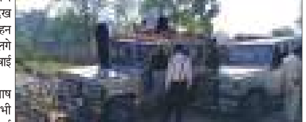

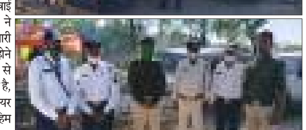

अलीराजपुर यातायात पुलिस विभाग पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टेम्पों, जीपों पर लगे कैरियर और फुटरेस्ट निकालने की कार्रवाई कर रहे, पूर्व में भी कार्रवाई की गई फिर भी वाहन मालिकों को कोई असर नहीं हो रहा है। यातायात पुलिस अपने दलबल के साथ सोमवार हाट बाजार के दिन टॉकीज चौराहे पहुंचे, यातायात पुलिस को देख वाहन मालिक अपने कैरियर लगे वाहन छोड़कर भाग गए। वहां खड़े वाहनों में लगे कैरियर निकाले गए साथ ही चलानी कार्रवाई भी की गई।

यातायात प्रभारी सूबेदार सुभाष सतपड़िया ने बताया कि, पूर्व में भी समझाइश दी गई थी, नहीं मानने पर कार्रवाई भी की गई थी। कुछ दिन बाद वाहनों ने कैरियर लगा कर क्षमता से अधिक सवारी भरकर वाहन चला रहे, जिसमें दुर्घटना होने का भय बना रहता है। कैरियर निकलने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोका जा सकता है, इसलिए टेम्पो, जीपों आदि पर लगे कैरियर और फुटरेस्ट निकलवाए जा रहे, यह मुहिम लगातार जारी रहेगी।

कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस ने लोगों को यातायात के नियमों के बारे में जानकारी देकर उनका पालन करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि, नियमों के पालन में ही लोगों की सुरक्षा है। इससे सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगने से लोगों की अमूल्य जान बचाई जा सकती हैं।

बिना नंबर प्लेट के वाहनो की वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ कि जाएगी कार्रवाई

सूबेदार सुभाष सत्पड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि, जिले में ट्रेफिक व्यवस्था को बदलने के लिए कार्रवाई लगातार जारी रखेंगे शहर में बिना नंबर की गाड़ियों पर घूमने वाले लोगों को रोककर उनकी नंबर प्लेट लगवाने का अभियान चलाया गया था। वाहन पर नम्बर प्लेट नहीं होने पर चालान भी बनाए गए थे। अब यह अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, साथ ही विडियो रिकार्डिंग के साथ कार्रवाई करेंगे। इस पुरी कार्रवाई के दौरान यातायात प्रभारी सूबेदार सुभाष सतपड़िया, एसआई लालसिंह वर्मा, हेडसाहब राजेश जमरा, जुवानसिंग, आरक्षक संजय, इमरान खान मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422